E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 273 | गुवाहाटी | रविवार, 10 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा-अगप विधायकों का विपक्षी दल पर किया हमला, कहा

कांग्रेस के पास न नेता न नीति, न दिशा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में कांग्रेस की चुनाव में हार को लेकर भाजपा और असम गण परिषद (अगप) के कई विधायकों ने शनिवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। नेताओं ने कांग्रेस की पराजय के लिए नेतृत्वहीनता, कमजोर संगठन और स्पष्ट रणनीति के अभाव को जिम्मेदार ठहराया। आज कई विधायकों ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस पर जमकर आरोप लगाए। ढेकियाजुली के विधायक अशोक सिंघल ने कहा कि कांग्रेस के पास न नेता है, न नीति और न ही कोई दिशा-निर्देश। उन्होंने सवाल उठाया कि नीतिविहीन दल को असम की जनता क्यों अपनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि असम के विकास का विरोध करने के कारण जनता ने कांग्रेस को स्थायी रूप से नकार दिया है। थावरा के विधायक सुशांत बरगोहाईं ने कहा कि कांग्रेस बिना किसी ठोस रणनीति के चुनाव मैदान में उतरी, जिसके कारण उसे हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की वर्तमान स्थिति कमजोर संगठनात्मक अनुभव का परिणाम है। माकुम के भाजपा विधायक संजय किसान ने कहा कि कांग्रेस अपने कर्मों का फल भुगत रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा असम और असमिया लोगों की सुरक्षा एवं हितों के खिलाफ बोलती रही है। बिलासीपारा के अगप विधायक जीबेश राय ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के अहंकार को पार्टी के पतन का कारण बताया। उन्होंने कहा कि खिलंजिया (स्थानीय) जनता ने दिल से कांग्रेस को विदाई दे दी है। माजुली के विधायक भुबन गाम ने कहा कि कांग्रेस 60 वर्षों में कोई उल्लेखनीय काम नहीं कर सकी।

भाजपा विधायक दल की बैठक की समय-सारिणी में बदलाव

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल की बैठक के समय में बदलाव किया गया है। पहले यह बैठक 09 मई को आयोजित होने वाली थी, जिसे अब पुनर्निर्धारित किया गया है। अब भाजपा विधायक दल की बैठक 10 मई को सुबह 09 बजे आयोजित होगी। इसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक भी आयोजित की जाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में औपचारिक रूप से विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के लिए ऐतिहासिक दिन

नागरिकों को स्वतंत्र रूप से जीने का वातावरण मिलेगा : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण को राज्य के लिए ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने 15 वर्षों के ममता सरकार के *आतंक और तुष्टिकरण* के शासन का अंत कर भारतीय जनता पार्टी को सरकार बनाने का अवसर दिया है। उल्लेखनीय है कि असम प्रदेश भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया है कि मौसम की खराबी के कारण कोलकाता से गुवाहाटी पहुंचने के दौरान भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का प्लेन आज शाम गुवाहाटी में उतर नहीं सका। प्लेन वापस कोलकाता लौट गया है। भाजपा, असम प्रदेश के प्रवक्ता मानस शरणिया द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। दिलीप सैकिया ने कहा कि नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की लाखों जनता ने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और *हिंदू विरोधी* नीतियों के खिलाफ लंबा संघर्ष किया, जिसकी सफलता के लिए उन्होंने राज्य की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने शुभेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पश्चिम बंगाल को *नए पश्चिम बंगाल* के रूप में विकसित करेगी, जहां विकास, प्रगति और सनातन संस्कृति का वातावरण स्थापित होगा। सैकिया ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार में लोगों को स्वतंत्र रूप से जीने का अवसर मिलेगा। सैकिया ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण का साक्षी बनना पार्टी के लिए गर्व और खुशी का क्षण है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा संगठन को मजबूत करने वाले पूर्वजों और कार्यकर्ताओं को भी श्रद्धापूर्वक याद किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का उल्लेख करते हुए सैकिया ने कहा कि पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम में भाजपा सरकार होने से बांग्लादेशी घुसपैठ और गो-तस्करी पूरी तरह बंद होगी। उन्होंने कहा कि अब उत्तर-पूर्व पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और भाजपा सरकार सीमा सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाएगी। इधर, दिलीप सैकिया ने भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मां कामाख्या की पवित्र भूमि असम में गर्मजोशी से स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि 12 मई को खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल मैदान में असम में लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार शपथ ग्रहण करेगी। पार्टी नेतृत्व द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक जेपी नड्डा और नायब सिंह सैनी 10 मई को होने वाली भाजपा विधायक दल की बैठक में भाग लेने के लिए देर शाम को असम पहुंचने वाले थे, लेकिन उनका प्लेन मौसम की खराबी के कारण वापस कोलकाता लौट गया है।

होजाई जिला 12 वां एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ होजाई में

होजाई। जिला क्रीड़ा संस्था के तत्वावधान में विवेकानंद क्रीड़ा खेल परिसर में शनिवार को दो दिवसीय 12 वां इंटर होजाई जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रातः 10 बजे होजाई क्रीड़ा संस्था के सचिव असीम मजूमदार ने खेल संस्था के ध्वज को फहराकर किया। उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मजूमदार ने कहा कि इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी शामिल हुए हैं, जो खेलों के प्रति उनकी गहरी रुचि को दर्शाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर खिलाड़ी को खेल-भावना के साथ भाग लेना चाहिए, न कि केवल पुरस्कार जीतने के उद्देश्य से। हमने कभी सोचा था कि फुटबॉल और क्रिकेट एथलेटिक्स का स्थान ले लेंगे, लेकिन यह धारणा पूरी तरह गलत साबित हुई है। मजूमदार ने बताया कि अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। जिले के लंका, लमडिंग, होजाई, जमनामुख, जोगीजन, काकी, मुराजार, डबका आदि स्थानों से 250 से अधिक लड़के-लड़कियां इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं। विभिन्न इवेंट्स 10 ग्रुपों में आयोजित होंगे। कीड़ा संस्था के सचिव सुदीप कुमार दास ने भी जानकारी देते हुए बताया कि इन दो दिनों में दौड़, हाई जंप, लॉन्ग जंप, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, जैवलिन थ्रो आदि कई खेल आयोजित होंगे। उन्होंने आगे बताया कि खेलों का संचालन तापस सेन, चंद्रशेखर नाथ, जबादूर रहमान, रामकनई चंदा करेगें व विजेता खिलाड़ियों को होजाई क्रीड़ा संस्था द्वारा प्रमाण,-पत्र प्रदान किया जाएगा।

हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिले के गौरीसागर इलाके में नशे धूत में एक व्यक्ति द्वारा एक युवक की बड़ी बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को दावा किया है कि जिले के गौरीसागर में पिसल दास नामक युवक पर धारदार दाव से प्रहार कर धनीराम गोगोई ने मौत के घाट उतार दिया। घटना के समय धनीराम नशे में धूत था। घटना को अंजाम देने के बाद धनीराम ने दाव लेकर थाने में आत्म समर्पण कर दिया। यह घटना मिंटा नदी के समीप हुई । घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में हत्या का एक मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पांडु कॉलेज में रवींद्र जयंती का आयोजन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक पांडु महाविद्यालय के बांगला विभाग द्वारा शनिवार को रवींद्र जयंती का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके बाद रवींद्र नाथ ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर विशिष्ट अतिथियों ने श्रद्धांजलि दी। बांगला विभाग की ओर से उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन बांगला विभागाध्यक्ष डॉ. तिमिर दे ने दिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की उपाध्यक्ष डॉ. चंदना सिन्हा राय उपस्थित रहीं। उनके प्रेरणादायक संबोधन ने सभी को प्रभावित किया। विशिष्ट अतिथि मैत्री शर्मा ने रवींद्रनाथ ठाकुर के दर्शन एवं चिंतन पर अपना महत्वपूर्ण संबोधन प्रस्तुत किया। विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शांतनु रायचौधुरी के विचारों को सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने मंत्रमुग्ध होकर सुना। कार्यक्रम के दूसरे चरण में सांस्कृतिक प्रस्तुति आयोजित की गई। विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सामूहिक गीत *हे नूतन* और *आनंदलोके* के साथ इसकी शुरुआत हुई। विभाग के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक एवं एकल रवींद्र-संगीत प्रस्तत किया। कार्यक्रम में अतिथि कलाकार के रूप में ताराप्रसन्न मुखोपाध्याय और रश्मिरेखा देवी ने रवींद्र-संगीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. संजय चंद्र दास (बाउला संजय) ने भी रवींद्र-संगीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के बांगला विभाग एवं अन्य विभागों के छात्र-छात्राओं ने भी रवींद्र-संगीत प्रस्तुत किया। विभाग की अध्यापिका सुचित्रा बेरा और छात्रा अनामिका चंद ने रवींद्र नाथ ठाकुर की कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण रवींद्र-नृत्य रहा, जिन्हें विभाग के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर पांडु महाविद्यालय सहित अन्य महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। स्थानीय गणमान्य लोगों की सहभागिता ने कार्यक्रम को और भी सफल बना दिया।

अभाममस की होजाई शाखा ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

होजाई। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभाममस) की होजाई शाखा ने थैलेसीमिया जागरूकता अभियान के तहत स्थानीय हाम अस्पताल के सहयोग से पिछले दो वर्षों की भांति इस वर्ष भी रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। अध्यक्ष प्रियंका बेरीवाल ने हमारे संवाददाता कुछ जानकारी देते हुए बताया कि उक्त शिविर का शुभारंभ गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ किया गया, जिससे रक्तदाताओं और उनके रक्त में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार हुआ। शिविर में हाम अस्पताल के चिकित्सकों डॉ. जे.एन. बर्मन (एम.एस.), डॉ. गौरव घोष (रोगविज्ञानी), डॉ. तपस कुमार दास (एम.एस., सचिव), डॉ. आइवी दास (सूक्ष्मजीवविज्ञानी) तथा डॉ. चैदुल इस्लाम (प्रधान चिकित्सा अधिकारी) का फूलमाला एवं गमछा पहनाकर स्वागत किया गया। डॉ. चैदुल इस्लाम ने रक्तदान की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है तथा इसके लिए लोगों को और अधिक प्रेरित करने की आवश्यकता है। शिविर में 30 लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 15 इकाई रक्त संग्रहित किया गया। समिति की सदस्याओं ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मंत्री पद प्राथमिकता नहीं, बीटीसी का विकास मुख्य लक्ष्य : हाग्रामा

कोकराझाड़। कोकराझाड़ के चांदमारी कल्चरल कॉम्प्लेक्स में आज एक भव्य *विजय उत्सव* का आयोजन किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में जीत दर्ज करने वाले जन प्रतिनिधियों का सम्मान करना और जनता के प्रति आभार व्यक्त करना था। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित विधायक रबिराम नार्जारी, सेवाली मोहिलारी, सोभाराम बसुमतारी और रूपम राय का सार्वजनिक रूप से सम्मान किया गया। सभी नवनियुक्त विधायकों को पारंपरिक तरीके से अंगवस्त्र और मान-पत्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विधायकों ने क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया। विजय उत्सव में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य हाग्रामा मोहिलारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ कार्यकारी सदस्य देरहासत बसुमतारी, करमेश्वर राय सहित परिषद के कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए हाग्रामा मोहिलारी ने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई देते हुए क्षेत्र में शांति, एकता और प्रगति के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा परिसर उत्साह के माहौल में डूबा रहा। असम में नई सरकार के गठन की सुगबुगाहट के बीच बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के अध्यक्ष और बीटीसी प्रमुख हग्रामा मोहिलारी ने पार्टी के रुख को स्पष्ट कर दिया है। मीडिया से बातचीत करते हुए मोहिलारी ने कहा कि बीपीएफ के लिए सत्ता में हिस्सेदारी या मंत्री पद हासिल करना सबसे बड़ा उद्देश्य नहीं है। मोहिलारी ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी का एकमात्र और प्राथमिक उद्देश्य बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद क्षेत्र का सर्वांगीण विकास है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार गठन की प्रक्रिया में शामिल होने से ज्यादा महत्वपूर्ण उन वादों को पूरा करना है, जो क्षेत्र की जनता की उन्नति से जुड़े हैं। मंत्री पद पाना बीपीएफ की प्राथमिकता नहीं है। बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) क्षेत्र का विकास ही हमारा सबसे बड़ा और पहला लक्ष्य है। असम की नई सरकार के स्वरूप और बीपीएफ की भूमिका पर पूछे गए सवालों के जवाब में उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी किसी भी ऐसे गठबंधन या निर्णय का समर्थन करेगी जो बोड़ो क्षेत्रों के हितों की रक्षा करे। राजनीतिक गलियारों में मोहिलारी के इस बयान को एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जहां वे पद के बजाय क्षेत्रीय मुद्दों पर मोलभाव को अधिक महत्व दे रहे हैं।

चुनाव में हार को लेकर गौरव और अखिल के बीच हुई तीखी बहस

खुलकर सामने आया विपक्षी दल में दरार

गुवाहाटी। असम में विपक्षी खेमे के भीतर की दरारें तब और भी स्पष्ट हो गईं जब कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और रायजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। कांग्रेस शनिवार को चुनावी नतीजों का विश्लेषण करने और संगठनात्मक कमियों, चुनाव प्रचार रणनीति और गठबंधन के समग्र प्रदर्शन पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करने वाली है। हालांकि, चर्चा शुरू होने से पहले ही विपक्षी नेताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए, जिसमें गौरव गोगोई और अखिल गोगोई दोनों ने चुनाव प्रचार के दौरान हुई रणनीतिक विफलताओं के लिए एक-दूसरे और कांग्रेस नेतृत्व को दोषी ठहराया। शुक्रवार को प्रेस से बात करते हुए गौरव गोगोई ने अखिल गोगोई की हालिया सार्वजनिक टिप्पणियों पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि रायजोर दल प्रमुख के बयानों से विपक्षी गठबंधन के बारे में ही लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है। अखिल गोगोई लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं जिनसे गठबंधन के साझेदारों के प्रति लोगों में संदेह पैदा हो रहा है। हम फिलहाल इस बात का आकलन कर रहे हैं कि हमसे कहां गलती हुई और स्थिति में कैसे सुधार किया जा सकता है, लेकिन इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणियां अनावश्यक संदेह पैदा करती हैं, गौरव गोगोई ने कहा। उन्होंने अखिल गोगोई को यह भी याद दिलाया कि ढिंग और शिवसागर जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में उनकी जीत कांग्रेस के वोटों के गठबंधन के उम्मीदवारों को हस्तांतरित होने के कारण ही संभव हो पाई थी। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि ढिंग और शिवसागर में कांग्रेस की जीत में कांग्रेस मतदाताओं ने अहम भूमिका निभाई थी। भड़काऊ सार्वजनिक बयान देने के बजाय गठबंधन के भीतर ही चर्चा होनी चाहिए। अगर उन्होंने अलग राजनीतिक रास्ता अपनाने का फैसला किया है, तो हम भी अपना रास्ता खुद तय करेंगे। इससे पहले, अखिल गोगोई ने कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष की चुनौती को मजबूत करने के अवसर होने के बावजूद पार्टी भाजपा के खिलाफ कमजोर और दिशाहीन अभियान चला रही है। चुनाव प्रचार के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा निभाई गई भूमिका पर सवाल उठाते हुए अखिल गोगोई ने दावा किया कि असम में बहुत कम शीर्ष नेताओं ने सक्रिय रूप से चुनाव प्रचार किया। गौरव गोगोई ने वास्तव में कितने चुनाव प्रचार अभियान चलाए? राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने तो केवल दो-दो सभाओं में भाग लिया। मैंने व्यक्तिगत रूप से प्रियंका गांधी से अनुरोध किया था कि यदि पार्टी वास्तव में जीतना चाहती है तो वह असम में अधिक समय तक रुकें और व्यापक रूप से चुनाव प्रचार करें, अखिल गोगोई ने कहा। रायजोर दल के प्रमुख ने तर्क दिया कि भाजपा ने अपनी अनुशासित और दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति के कारण जीत हासिल की, जबकि विपक्ष खराब समन्वय और तैयारियों के अभाव के कारण विफल रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पांच साल की योजना और सुनियोजित रणनीति के साथ चुनाव लड़ा। हम इसलिए हारे क्योंकि हमारा अभियान अधूरा और अव्यवस्थित था। ईवीएम को लेकर चिंताएं हो सकती हैं, लेकिन हार का बड़ा कारण हमारी अपनी अक्षमता थी। अखिल गोगोई ने कांग्रेस विधायकों पर पिछले पांच वर्षों में एक मजबूत विपक्ष के रूप में काम करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया, और दावा किया कि कई नेता मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ राजनीतिक रूप से अप्रभावी दिखाई दिए। भाजपा के आक्रामक चुनाव प्रचार का जिक्र करते हुए अखिल गोगोई ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने असम भर में कई रैलियां कीं। उन्होंने कहा कि जब हिमंत ने शिवसागर में चुनाव प्रचार किया और हजारों महिलाओं ने उनकी रैली में शिरकत की, तो मैं मुकाबले को लेकर चिंतित हो गया। भाजपा की संगठनात्मक शक्ति और पहुंच हर जगह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रिपुन बोरा ने 2021 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से अपने पहले के इस्तीफे का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने नैतिक आधार पर पद छोड़ा था। जब कांग्रेस 51 सीटें जीतने के बावजूद सरकार बनाने में विफल रही, तो मैंने नैतिक रूप से खुद को जिम्मेदार महसूस किया और इस्तीफा दे दिया। मेरी अंतरात्मा ने मुझे बताया कि मुझे इस हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, बोरा ने कहा। इन घटनाक्रमों ने विपक्षी खेमे के भीतर बढ़ते तनाव को उजागर किया है, ऐसे समय में जब पार्टियां चुनावी हार के बाद फिर से एकजुट होने की कोशिश कर रही हैं।

जोरहाट में दो नाबालिगों के यौन शोषण के आरोप में बुजुर्ग गिरफ्तार

जोरहाट (हि.स.)। जिले के चेनीजान के रामपुर भकतगांव में हुई एक भयावह घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दिया है। पुलिस ने आज बताया कि दो नाबालिग किशोरियों के साथ बलात्कार करने के आरोप में एक 65 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ गंभीर मामला सामने आया है। आरोपों के अनुसार, 7 मई की शाम को हुई इस घटना के बाद, एक पीड़ित नाबालिग किशोरी मानसिक आघात सहन नहीं कर पाई और उसने आत्महत्या का रास्ता अपनाया। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक और क्रोध फैला दिया है। इस बीच, पुलिस ने मामले में आरोपित राधेश्याम बौरी नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी और विभिन्न दिशा में पूछताछ जारी रखी। रामपुर भकतगांव के निवासियों के बीच इस घटना को लेकर काफी आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

पूसीरे ने अप्रैल 2026 में माल लोडिंग में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

गुवाहाटी (हि.स.)। कुशल माल परिवहन संचालन और आवश्यक सामग्रियों के समय पर परिवहन के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के तहत, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने अप्रैल 2026 के दौरान माल परिवहन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पूसीरे ने इस महीने के दौरान कुल 0.972 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग दर्ज की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि अप्रैल, 2026 के दौरान कई प्रमुख सामग्रियों की लोडिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। सीमेंट लोडिंग में 329 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि देखी गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इस बार कोयला लोडिंग में 141.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। डोलोमाइट लोडिंग में भी 20.7 प्रतिशत की अच्छी खासी वृद्धि देखने को मिली। इसके अलावा, विविध सामग्रियों वाली अन्य श्रेणी के तहत लोडिंग में 190 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई, जो पूरे क्षेत्र में निर्माण-संबंधी और उससे जुड़ी सामग्रियों के परिवहन में हुई बढ़ोतरी को दर्शाता है। माल लोडिंग में हो रही यह निरंतर वृद्धि पूर्वोत्तर और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों को उजागर करती है। इस निरंतर वृद्धि ने न केवल क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को मजबूत किया है, बल्कि पूसीरे के राजस्व आय में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पूसीरे आने वाले महीनों में सामग्रियों के आवाजाही में विश्वसनीय परिवहन और निरंतर वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी प्रगति, परिचालन दक्षता और ग्राहक-केंद्रित माल परिवहन सेवाओं पर अपना विशेष जोर देना जारी रखेगा।

श्रीभूमि के पाथारकांदी में सड़क हादसा व्यवसायी की मौत

श्रीभूमि (हि.स.)। असम के श्रीभूमि जिले के पाथारकांदी इलाके में एक भयावह सड़क दुर्घटना में बीती रात एक बाइक सवार की मौत हो गई। बताया गया है कि यह हादसा उस समय हुआ जब बाइक सवार त्रिपुरा के पानीसागर क्षेत्र से अपने घर लौट रहा था। जानकारी के अनुसार बाइक सवार ने अचानक वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि मृतक की पहचान रामकृष्णनगर निवासी प्रतुल मलाकार के रूप में की गई है। प्रतुल मलाकार इलाके के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी बताए गए हैं। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई है।

শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 273 | गुवाहाटी | रविवार, 10 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश ... पेज 5
भारतीय सेना के लिए महिंद्रा ने पेश किया खास आल-टेरेन व्हीकल पेज 6
कुलदीप यादव के बचाव में उतरे डेविड मिलर, मैच विजेता खिलाड़ी बताया पेज 7
मां को बताइए आप करते हैं उनसे कितना प्यार पेज 8

प. बंगाल में पहली भाजपा सरकार का गठन

सुवेंदु अधिकारी संग पांच मंत्रियों ने ली शपथ

कोलकाता (हि.स.)। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शनिवार को पश्चिम बंगाल की पहली भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता आयोजित समारोह में मौजूद रहे। भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ पांच मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण किया। नई भाजपा सरकार की पहली मंत्रिपरिषद में उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। मंत्रिमंडल में आदिवासी, मतुआ और राजबंशी समाज के नेताओं को भी जगह मिली है। सुवेंदु अधिकारी के साथ जिन नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली उनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पाल, अशोक कीर्तनिया, निशीथ प्रमाणिक और खुदीराम टुडू शामिल हैं। हालांकि, अभी विभागों का बंटवारा नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भवानीपुर और -शेष पृष्ठ छह पर

भाजपा का शासन अंग से प्राग्ज्योतिष तक

डॉ. शर्मा ने पश्चिम बंगाल में भगवा बदलाव की सराहना की

गुवाहाटी। असम के निवर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि *अंग, बंग, कलिंग और प्राग्ज्योतिष* अब एक ऐसी पार्टी द्वारा शासित हैं जो *सनातन मूल्यों को संरक्षित करने में गहराई से निहित* है। अंग, बंग, कलिंग और प्रागज्योतिष ऐतिहासिक पूर्वी भारतीय भौगोलिक क्षेत्र को संदर्भित करते हैं जिसमें आधुनिक बिहार, बंगाल, ओडिशा और असम शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी सरकार *शोनार बांग्ला* (स्वर्ण बंगाल) के सच्चे सार को पुन: प्राप्त करने के लिए काम करेगी। कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद, शर्मा ने एक माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट पर कहा कि बंगाल में इतिहास रचा जा रहा है! पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर मैं सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। असम भाजपा नेता, जिन्होंने

पश्चिम बंगाल में भी पार्टी के लिए प्रचार किया, ने दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशिथ प्रमाणिक को, जिन्होंने मंत्री पद की शपथ ली कि इतिहास रचने में अभिन्न भूमिका निभाने के लिए बधाई दी। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, आपका प्रशासन पहले दिन से ही हमारी सीमाओं को सुरक्षित करने, राज्य की समृद्ध पहचान की रक्षा करने और शोनार बांग्ला के सच्चे सार को पुन: प्राप्त करने के लिए बंगाल में विकास और निवेश वापस लाने के लिए काम पर लग जाएगा, शर्मा ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कई वर्षों से हमने बंगाल में अपने श्रमिकों के अदम्य बलिदानों को देखा, सुना और जाना है। आज का दिन वास्तव में उनमें से प्रत्येक को उचित श्रद्धांजलि है। शर्मा ने कहा कि सत्ता संभालने वाली नई सरकार हमारी सभ्यतागत यात्रा में एक नया अध्याय शुरू करती है क्योंकि अंग, -शेष पृष्ठ छह पर

असम के तीन जिलों में भूकंप के झटके कोकराझाड़ में सबसे ज्यादा 4.5 तीव्रता दर्ज

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के धुबड़ी, कोकराझाड़ और बंगाईगांव जिलों में शनिवार को अलग-अलग समय पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, फिलहाल कहीं से भी किसी जानमाल के नुकसान या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, सबसे तेज झटका कोकराझाड़ जिले में दोपहर 2 बजकर 40 मिनट पर महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इसका एपीक सेंटर 26.214 उत्तरी अक्षांश और 90.103 पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। इसके बाद धुबड़ी जिले में दोपहर 3 बजकर 17 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इसका एपीक सेंटर 26.270 उत्तरी अक्षांश और 90.163 पूर्वी देशांतर पर बताया गया। वहीं, बंगाईगांव जिले में दोपहर 12 बजकर 03 मिनट पर हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.6 मापी गई।

मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे, प्रधानमंत्री गृहमंत्री, 20 राज्यों के मुख्यमंत्री व उद्योगपति

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा में प्रचंड जीत के बाद मंगलवार को प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, 20 राज्यों के मुख्यमंत्री, भाजपा तथा एनडीए के राष्ट्रीय नेता के साथ ही बड़ी संख्या में बड़े उद्योगपति शामिल होंगे। निवर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को बंगाल की यात्रा से पूर्व पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इन बड़े नेताओं के साथ ही असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा एनडीए के बूथ अध्यक्षों तथा पंचायत के निर्वाचित अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा आज पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के कारण असम के लिए नियुक्त किए गए पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा तथा नायाब सिंह सैनी के आज भाजपा विधायक दल की बैठक में शामिल होने के कार्यक्रम को पुनर्निर्धारित कर दिया गया। जिस कारण इस बैठक को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भाजपा विधायक दल की बैठक के समय में बदलाव करते हुए इसे अब पुनर्निर्धारित किया गया है। अब भाजपा विधायक दल की बैठक 10 मई को सुबह 09 बजे से आयोजित होगी। इसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक भी आयोजित की जाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक में औपचारिक रूप से विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मीडिया को बताया कि डॉ. हिमंत विश्व शर्मा दूसरी बार -शेष पृष्ठ छह पर

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा को रोकने के लिए जरूरत पड़ी तो वाम दलों से भी सहयोग लूंगी : ममता

कोलकाता (हिं.स.)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने बयान से राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए यदि जरूरत पड़ी तो वह वाम दलों से सहयोग लेने में भी कोई आपत्ति नहीं करेंगी। ममता बनर्जी ने यह बयान कोलकाता के

कालीघाट स्थित अपने आवास के निकट आयोजित रवींद्रनाथ टैगोर जयंती समारोह के दौरान दिया। इस अवसर पर वह अपनी पार्टी के कई विधायकों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और बंगाल के हितों की सुरक्षा के लिए सभी -शेष पृष्ठ छह पर

पीएम मोदी ने मंच पर छूए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी माखनलाल सरकार के पैर

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में पहली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में एक भावुक और ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर मौजूद 97 वर्षीय वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता माखन लाल सरकार के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस दृश्य ने समारोह में मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। माखनलाल सरकार भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के करीबी सहयोगियों में रहे हैं। भाजपा नेताओं के अनुसार कश्मीर आंदोलन के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ऐतिहासिक दौरे में भी माखनलाल सरकार उनके

साथ थे। उस समय कश्मीर में तिरंगा फहराने के अभियान के बाद श्यामा प्रसाद मुखर्जी को गिरफ्तार किया गया था और जेल में उनकी रहस्यमयी मौत हो गई थी। बताया जाता है कि उस दौरान माखनलाल सरकार भी उनके साथ जेल में बंद थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व लोकसभा सांसद शमिक भट्टाचार्य ने मंच से माखनलाल सरकार का परिचय देते हुए कहा कि 1952 के कश्मीर आंदोलन में उन्हें गिरफ्तार किया गया था और वे श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अंतिम दिनों के करीबी साथी रहे। माखनलाल सरकार ने उत्तर बंगाल में पार्टी संगठन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1980 में भाजपा गठन के बाद उन्हें पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग क्षेत्रों की संगठनात्मक जिम्मेदारी दी गई थी। कम समय में उन्होंने हजारों नए सदस्य -शेष पृष्ठ छह पर

असम राइफल्स ने अपहृत तांखुल नगा महिला को सुरक्षित छुड़ाया

इंफाल। मणिपुर के कामजोंग जिले में असम राइफल्स ने अपहृत महिला को सुरक्षित छुड़ाने में सफलता हासिल की है। असम राइफल्स ने बताया कि ओलिना निंगशेन नाम की महिला को सुरक्षित रिहा कराया गया। महिला को सात मई को नामली इलाके में हुई हिंसक झड़पों के दौरान अगवा कर लिया गया था। असम राइफल्स के अनुसार, महिला की रिहाई जेड चोरो गांव के दक्षिणी इलाके में कराई गई, जो घटना स्थल के करीब स्थित है। पूरी कार्रवाई असम राइफल्स और अन्य एजेंसियों की निगरानी में संपन्न हुई। महिला के पति, गांव के मुखिया और विभिन्न नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों को फाइकोह के पास ह्यूमिन थाने लाया गया, जहां से सुरक्षित रिहाई की प्रक्रिया पूरी की गई। रिहाई के बाद महिला और उसके परिजनों को चास्साद स्थित असम राइफल्स मुख्यालय ले जाया गया, जहां औपचारिक दस्तावेजी प्रक्रिया, चिकित्सकीय जांच और मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इसके बाद परिवार और गांव के लोग अपने गांव खांगपत खुन लौट गए। असम राइफल्स ने बताया कि सात मई की सुबह भारत-म्यांमार सीमा पर जेड चोरो और नामली के आसपास अशांति की सूचना मिली थी। हालात तनावपूर्ण होने के बावजूद बल ने त्वरित कार्रवाई कर स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

सुप्रभात

लगातार श्रम करना ही आपकी सफलता का साथी है, इसलिए श्रम को सकारात्मक बनाएं विनाशक नहीं। श्रम एक अपराधी भी करता है, लेकिन उसका लक्ष्य सिर्फ किसी को नुकसान पहुंचाना या फिर उसकी जान लेना ही होता है।

– **अब्दुल कलाम**

केरल के कांग्रेस नेताओं की खड़गे के घर बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल में मुख्यमंत्री पद के चयन को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर शनिवार को बैठक जारी है। बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, केरल कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ, एआईसीसी पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक और अन्य नेता शामिल हैं। कांग्रेस नेता दीपा दास मुंशी भी बैठक में मौजूद हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री पद के लिए तीन नामों पर चर्चा हो रही है। इनमें केसी वेणुगोपाल, वीडी सतीशन और रमेश चेन्निथला के नाम हैं। कांग्रेस के अधिकांश विधायक वेणुगोपाल के पक्ष में बताए जा रहे हैं, जबकि कार्यकर्ताओं का बड़ा वर्ग सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहा है। चेन्निथला भी दावेदार हैं। इससे पहले केरल में पार्टी के पर्यवेक्षक बनाकर भेजे गए अजय माकन और मुकुल वासनिक ने शुक्रवार को खड़गे को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी राय जानी थी।

तमिलनाडु में वीसीके के समर्थन से विजय सरकार का रास्ता साफ

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु की राजनीति में पिछले कई दिनों से चला आ रहा सियासी सस्पेंस आखिरकार समाप्त हो गया है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत

मिल गया है। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने शनिवार को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा कर दी, जिसके बाद विजय के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी किसी पार्टी के लिए यह प्रदर्शन ऐतिहासिक माना जा रहा है। 234 सदस्यीय विधानसभा में सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता थी, जबकि टीवीके बहुमत से कुछ सीटें पीछे रह गई थी। चुनाव परिणाम आने के बाद सबसे पहले कांग्रेस ने अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को देने की घोषणा की। इसके -शेष पृष्ठ छह पर

शेख हसीना ने सुवेंदु अधिकारी को सीएम बनने पर दी बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुवेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शेख हसीना ने शनिवार को बांग्लादेश अवामी लीग के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत और मुख्यमंत्री पद -शेष पृष्ठ छह पर

एक्शन में किशनगंज एसपी

90 दिनों में चार थानाध्यक्ष सहित 12 पुलिसकर्मी सस्पेंड, 38 की रोकी सैलरी

किशनगंज। किशनगंज में बेहतर और अनुशासित पुलिसिंग को लेकर एसपी संतोष कुमार ने बेहतर और सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को जहां सम्मानित किया है तो ही बेपरवाह लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारी पर सख्त करवाई की है। एसपी संतोष कुमार के जिले में इसी वर्ष जनवरी माह में पदस्थापन के बाद से ही जिले के पुलिसिंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के मुहिम में जुटे हैं और इसी दौरान किशनगंज जिले में बेहतर पुलिसिंग और अनुशासन बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। इस वर्ष 10 जनवरी से 30 अप्रैल तक जिले में कांडों के निष्पादन, कार्यालय कार्य, सुपर पेट्रोलिंग, विधि-व्यवस्था ड्यूटी और छापेमारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 194 पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। वहीं, लापरवाही, अनुशासनहीनता और वरीय अधिकारियों -शेष पृष्ठ छह पर

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ाई गई सुरक्षा

अररिया (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में सुवेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी कर दी गई है। सीमा क्षेत्रों में सख्त निगरानी और जांच प्रक्रिया अपनाई जा रही है। नेपाल सरकार की ओर से मिले निर्देशों के बाद मोरंग जिला प्रशासन पूरी तरह

से अलर्ट मोड में है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां शरण लिए बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के नेपाल में प्रवेश की आशंका को देखते हुए सीमा पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। जोगबनी मुख्य सीमा नाका सहित नेपाल में प्रवेश के सभी प्रमुख बिंदुओं पर सुरक्षा एजेंसियों की भारी तैनाती की गई है। भारतीय सीमा से नेपाल में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान पत्र जांच के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। शनिवार को नेपाल के मोरंग जिले के सीडीओ युवराज कट्टेल, पुलिस एसपी कवित कटवाल और एपीएफ के एसपी घिनेंद्र बहादुर भंडारी -शेष पृष्ठ छह पर

दक्षिण भारत में भाजपा को मजबूत करने वाले महानायक हैं येदियुरप्पा : अमित शाह

चित्रदुर्ग (हि.स.)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शनिवार को चित्रदुर्ग में आयोजित *बीएसवाई अभिमानोस्तव* कार्यक्रम भव्य और ऐतिहासिक माहौल में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शिरकत की।

विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा के संगठन को मजबूत करने में येदियुरप्पा का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा ने शून्य से शुरुआत कर पार्टी को खड़ा किया और दक्षिण भारत में भाजपा की पहली सरकार बनने में निर्णायक भूमिका निभाई। गृह मंत्री ने कहा कि किसानों, गरीबों और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए येदियुरप्पा ने लगातार कार्य किया है। उनका राजनीतिक जीवन आज की पीढ़ी के नेताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर अमित शाह ने येदियुरप्पा के पांच दशक लंबे राजनीतिक सफर, विधानसभा में दिए गए उनके भाषणों तथा उनके सार्वजनिक जीवन पर आधारित स्मारिका एवं पुस्तकों का विमोचन भी किया। कार्यक्रम स्थल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी के बीच नेताओं का भव्य स्वागत किया। वहीं, अपने संबोधन में बी.एस. येदियुरप्पा ने -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

बंगाल का 'रक्त-चरित्र'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और आज पहली भाजपा सरकार शपथ ग्रहण कर रही है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोड़फोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वह वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्तचरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है, जबकि बंगाल में कांग्रेस के अवशेष ही बचे हैं। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक आपराधिक दर्ज की गई हैं। 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्तचरित्र' यथावत है। कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहे। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्तरंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में जो 'रक्तबीज' कांग्रेस ने बोया था, उससे पैदा हिंसा की फसलों को वाममोर्चे की सत्ता के दौरान 'संस्थागत' आकार दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया। तृणमूल के गुंडे, हमलावर आज भी उसी सिस्टम की धमकियां दे रहे हैं, लिहाजा भाजपा सरकार के सामने सबसे विराट चुनौती यही है कि उस सिस्टम को प्राथमिकता के साथ कुचला जाए। अब जनादेश के बाद उन दफ्तरों को छुड़ाने के लिए उत्पात मचाए जा रहे हैं, जिन पर किसी अन्य दल ने कब्जा कर लिया था। ऐसे हमले तृणमूल के दफ्तरों पर अधिक हो रहे हैं। तृणमूल दफ्तरों पर बुलडोजर चलाने की भी खबरें हैं। बहरहाल बंगाल के 'रक्तचरित्र' के लिए ममता बनर्जी और उनके सांसद-भतीजे अभिषेक बनर्जी को माफ नहीं किया जाना चाहिए। अभिषेक ने 'जल्लाद', 'दिल्ली में बाप' और 'अमित शाह बंगाल में घुस कर दिखाए' सरीखे शब्दों और वाक्यों का जो इस्तेमाल किया था, उस पर हिंसा और हत्याओं की सुई केंद्रित क्यों न की जाए।

चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोड़फोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई।

कुछ अलग

इस्तीफा नहीं दूंगा

जो करना है कर लो...जो पेड़ उखाड़ना है...उखाड़ लो...जो रिजल्ट दिखाना है...दिखा लो... मैं इस्तीफा नहीं दूंगा! इस्तीफे की ऐसी की तैसी! यह भी कोई चुनाव हुआ भला? ना मेरी सुनी गई, ना मेरे समर्थकों की सुनी गई। मेरी कुर्सी पर कब्जा करने की साजिश रची गई। लोकतंत्र के इस महान मेले में जनता ने फिर वही गलती कर दी- वोट डाल दिए। अब जनता को कौन समझाए कि वोट डालना और सही जगह डालना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। जनता भावुक प्राणी है। कभी गैस सिलेंडर देखकर पिघल जाती है, कभी मुफ्त की बिजली पर मुस्कुरा देती है, और कभी पांच साल पुरानी सड़क पर नया डामर देखकर विकास का जयघोष करने लगती है। मैंने तो साफ कहा था- 'भाइयो-बहनो, विकास मैं हूं, व्यवस्था मैं हूं, अनुभव मैं हूं, और अगर मैं नहीं तो फिर अराजकता है।' लेकिन जनता को शायद स्थिरता से एलर्जी है। उन्हें हर बार नया चेहरा चाहिए, जैसे राजनीति नहीं, मोबाइल का मॉडल खरीद रहे हों। मेरे विरोधी कहते हैं कि मैं कुर्सी से चिपका हुआ हूं। अरे भाई, चिपका नहीं हूं, समर्पित हूं! यह कुर्सी मेरे लिए सिर्फ फर्नीचर नहीं, तपस्या का परिणाम है। कितने धरने, कितनी रैलियां, कितने पोस्टर, कितने झूठे वादे और कितने सच्चे समझौते करने पड़े हैं, तब जाकर यह कुर्सी मिली है। क्या यह इतनी सस्ती चीज है कि हारते ही छोड़ दूं? जनता को लगता है कि नेता हार गया तो उसे नैतिकता दिखानी चाहिए। नैतिकता! राजनीति में यह शब्द वैसे ही लगता है जैसे मिठाई की दुकान पर शुगर फ्री का बोर्ड। दिखाने के लिए अच्छा, खाने में बेकार।

पढ़ाई, परीक्षा, परियोजना कार्य और आपसी प्रतिस्पर्धा भी आत्महत्या का कारण बन जाती है

चक्रव्यूह बनते कोचिंग सेंटर एवं शिक्षण संस्थान

कोचिंग सेंटरों में भिन्न-भिन्न कारणों से विद्यार्थियों में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसा लगता है जैसे ऐसे कुछ स्थान विद्यार्थियों के लिए चक्रव्यूह बन जाते हैं जिसमें वे बहुत सारे सपने और दबावों के साथ घुस तो जाते हैं लेकिन उन्हें भेदकर वापस नहीं निकल पाते। जैसे ही छोटी बड़ी परीक्षाओं के व नौकरियों के विज्ञापन अथवा परिणाम आते हैं वैसे ही प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और आजकल तो सोशल मीडिया में भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले कोचिंग सेंटरों के बड़े-बड़े विज्ञापनों की भरमार होती चली जाती है। कोचिंग के लिए प्रवेश हेतु जहां एक ओर भिन्न-भिन्न प्रकार की स्वरचित नियमावली, लुभावनी छूट एवं अन्य आकर्षण उपलब्ध हैं तो वहीं दूसरी ओर परीक्षा के परिणाम आते ही फोटो के साथ रैंकिंग में एक दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ भी साफ देखी जा सकती है। यह मामला यहीं तक सीमित नहीं है।

शिक्षण संस्थानों और कोचिंग सेंटरों में भिन्न-भिन्न कारणों से विद्यार्थियों में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसा लगता है जैसे ऐसे कुछ स्थान विद्यार्थियों के लिए चक्रव्यूह बन जाते हैं जिसमें वे बहुत सारे सपने और दबावों के साथ घुस तो जाते हैं लेकिन उन्हें भेदकर वापस नहीं निकल पाते। जैसे ही छोटी बड़ी परीक्षाओं के व नौकरियों के विज्ञापन अथवा परिणाम आते हैं वैसे ही प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और आजकल तो सोशल मीडिया में भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले कोचिंग सेंटरों के बड़े-बड़े विज्ञापनों की भरमार होती चली जाती है। कोचिंग के लिए प्रवेश हेतु जहां एक ओर भिन्न-भिन्न प्रकार की स्वरचित नियमावली, लुभावनी छूट एवं अन्य आकर्षण उपलब्ध हैं तो वहीं दूसरी ओर परीक्षा के परिणाम आते ही फोटो के साथ रैंकिंग में एक दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ भी साफ देखी जा सकती है। यह मामला यहीं तक सीमित नहीं है। ये विज्ञापन स्वप्न दिखाते हैं और फिर पैकेज, प्लेसमेंट, सफलता दर आदि के नाम पर बच्चों, युवाओं और माता-पिता का भावनात्मक, मानसिक और आर्थिक शोषण भी कर रहे हैं। इन पर रोकथाम हेतु शासन- प्रशासन की कोई नियमावली नहीं है। जब छोटी बड़ी कोई दुर्घटना होती है तो दो-चार दिन समाचार छपते हैं और फिर मामला नेपथ्य में चला जाता है। प्रत्येक बच्चे की अपनी क्षमताएं होती हैं। लेकिन कई बार माता-पिता की जबरदस्ती के चलते बच्चा केवल एक उपकरण बनकर रह जाता है। कई बार बच्चे की आर्थिक और भाषिक पृष्ठभूमि भिन्न होने से जब वह पढ़ाई के नए मध्यम एवं नए परिवेश में जाता है तो वह सामंजस्य नहीं बैठा पाता, जिससे उसका अवसाद ग्रस्त होना बड़ा स्वाभाविक है। ध्यान रहे घर में, स्कूल में, कोचिंग केंद्र पर, प्रवेश के बाद शिक्षण संस्थानों में और फिर अच्छे पैकेज वाली नौकरी के लिए बना तनाव और अवसाद का यह सिलसिला धीरे धीरे भयंकर विकृति का रूप ले लेता है। थोड़ी सी भी असफलता व तनाव में वह निराश होकर आत्महत्या की ओर बढ़ जाता है। विगत दिनों आइआइटी बांबे से बीटेक करने के बाद मल्टीनेशनल कंपनी से संबद्ध और फिर प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहे अभिनव का सुसाइड नोट चिंतित करने वाला है जिसमें लिखा था- किसान-माली बन जाना, पढ़ाई का दबाव मत लेना। इस समाचार के अगले ही दिन दो और समाचार छपे। एक समाचार आइआइटी खड़गपुर से था। जहां कैंपस में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र जयवीर सिंह डोडिया ने आठवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। विदित हो कि यहां वर्ष 2025 में सात छात्रों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी जिनमें से पांच के शव फंदे से लटके मिले थे। दूसरा समाचार हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) से था, जहां हाल ही में बीटेक प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की। वह बोली- मीडिया को बुलाओ,

कुछ सच्चाई बताना चाहती हूं। यह सच्चाई क्या है, यह अभी सामने आना बाकी है। ज्ञात हो कि एनआइटी कुरुक्षेत्र में विगत दो महीने में चार विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर ली, जिससे उपजे हगांमे के बाद प्रशासन ने 20 दिन की छुट्टी की घोषणा कर दी। क्या छुट्टी कर देने से अथवा इस प्रकार के मामलों को दबा देने से इस दिशा में सुधार होगा? ध्यान रहे आत्महत्याओं के अधिकांश मामले तकनीकी और प्रबंधन संस्थानों से अधिक आ रहे हैं। आज एक समाज, शिक्षण संस्थान और शासन-प्रशासन के नाते हमें गंभीरता से यह विचार करना होगा कि आखिर ये छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? क्या पाठ्यक्रमों की विसंगतियां इन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर कर रही हैं अथवा क्या हम इन्हें इतना भी शिक्षित नहीं कर पा रहे हैं कि ये जीवन में आने वाली छोटी-मोटी परेशानी एवं तनावों को झेल सकें। ध्यान रहे आइआइटी, आइआइएम और एनआइटी जैसे उत्कृष्ट संस्थानों में जाने वाला विद्यार्थी सामान्य नहीं है। वह कठोर परिश्रम करके वहां तक पहुंच पाता है। सामान्यतः उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थी मित्रों, परिवार और समाज से दूर छात्रावास आदि में रहकर पढ़ाई करते हैं। दूर होने से कई बार विद्यार्थी अवसाद का शिकार हो जाते हैं। कई बार अकेले रहकर ऐसे विद्यार्थी ऑनलाइन गेमिंग एवं नशे जैसी बुराई के शिकार भी हो जाते हैं। देश के अनेक शिक्षण संस्थानों में ऐसे छात्रों की काउंसलिंग के लिए समुचित व्यवस्थाएं नहीं हैं। जहां हैं वहां शर्म और डर भी एक बड़ी बाधा दिखाई देती है। कई बार पढ़ाई, परीक्षा, परियोजना कार्य और आपसी प्रतिस्पर्धा भी आत्महत्या का कारण बन जाती है। छात्र के लिए खानपान, रहन-सहन और संतुलित जीवन शैली बहुत आवश्यक है। इसमें विकृति भी कई प्रकार की बीमारियों और अवसाद का कारण बन रही है। आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष हजारों छात्र आत्महत्या कर लेते हैं। विगत दिनों प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 4 प्रतिशत की दर से छात्र आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश के महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्यप्रदेश वो राज्य हैं जहां छात्र सबसे ज्यादा आत्महत्या करते हैं। समय-समय पर शिक्षण संस्थानों से भिन्न-भिन्न प्रकार के उत्पीड़न के मामले भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में भी पीड़ित द्वारा आत्महत्या की संभावना बढ़ जाती है। विगत लंबे समय से शिक्षण संस्थानों में भिन्न-भिन्न प्रकार के ड्रग्स आपूर्ति के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। ड्रग्स की लत और फिर उसकी पूर्ति न होने के कारण भी छात्रों में अपराधिक प्रवृत्ति व आत्महत्या की संभावना बढ़ जाती है। कई बार साथियों का अनुचित व्यवहार, प्रेम के मामले और फिर उनका टूटना भी शिक्षण संस्थानों में अपराध एवं आत्महत्या की संभावनाओं को बढ़ा रहा है। इस प्रकार के मामलों में कई बार सच्चाई सामने ही नहीं आ पाती है। आज हमें यह भी समझना होगा कि विकासक्रम के साथ-साथ जीवन पद्धति और परिस्थितियों में भी बदलाव आ रहे हैं। तकनीक आधारित और अत्यधिक आधुनिक कही जाने वाली जीवनशैली अपने साथ कई प्रकार की विकृतियां भी लेकर आ रही है। क्या इन सब बातों को देखते हुए स्कूलों, महाविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में इन विकृतियों से निपटने हेतु प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था है? श्रीमद्भगवत गीता में लिखा है- निर्द्वंद, शांत, तनाव रहित और इच्छाओं के दबाव से मुक्त व्यक्ति प्रसन्न और स्वस्थ रहता है। क्या आज हम इन सभी के दबाव से ग्रस्त नहीं हैं? जैसे ही छोटी बड़ी किसी भी परीक्षा के परिणाम आते हैं तो देश में कई स्थानों से छात्रों द्वारा आत्महत्याओं के समाचार भी सामान्य होते जा रहे हैं। 'थ्री इडियटस' नामक फिल्म में उच्च शिक्षण संस्थानों का जो सत्य दिखाया गया है, क्या वह आज भी जारी नहीं है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मन की बात व परीक्षा पे चर्चा जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार – प्रतिस्पर्धा नहीं, अनुस्पर्धा। परीक्षा और ये परिणाम ही अंतिम नहीं हैं, उसके आगे भी जीवन है... जैसे संदेश दे रहे हैं लेकिन फिर भी शिक्षण संस्थानों में आत्महत्याओं का सिलसिला निरंतर बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्पष्ट लिखा है कि- प्रत्येक शिक्षा संस्थान में तनाव से जूझने और भावनात्मक तारतम्यता बनाने के लिए काउंसलिंग की व्यवस्था होगी। इसके अलावा ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को अपेक्षित सहायता प्रदान करने के लिए एक बेहतर व्यवस्था बनाई जाएगी... सभी उच्चतर शिक्षण संस्थान अपने संस्थानों में सभी छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे। उक्त प्रविधान होने के बाद भी व्यवहार के धरातल पर अभी स्थिति लगभग पूर्ववत ही है। क्या ऐसे में शिक्षण संस्थानों को तत्काल समुचित योजना बनाकर कदम नहीं उठाने चाहिए? ध्यान रहे, किसी छात्र द्वारा आत्महत्या केवल एक जीवन की हानि नहीं है अपितु यह परिवार, समाज और राष्ट्र की बहुत बड़ी क्षति है। विकसित भारत का संकल्प जिन युवाओं के भरोसे आगे बढ़ रहा है, वे केवल मानव संसाधन नहीं है अपितु उस संकल्प की नींव हैं। इसलिए उनका शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ जीवन बहुत बड़ी आवश्यकता है।

देश दुनीया से

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, बल्कि पूरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया। रुझानों और अंतिम परिणामों के अनुसार, बीजेपी ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 165 से अधिक सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि टीएमसी 100 सीटों के आसपास सिमट गई। कांग्रेस और सीपीआई(एम) जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से पूरी तरह उलट हैं, जब टीएमसी ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत हासिल किया था। बीजेपी का वोट शेयर 2016 के मात्र 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% हो चुका था, और अब यह पूर्ण सत्ता में तब्दील हो गया। इस जीत के पीछे कई बहुआयामी कारक कार्यरत थे। सबसे पहले, एंटी-इनकंबेंसी लहर ने जोरदार तरीके से अपना प्रभाव दिखाया। ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के गंभीर आरोप लगे थे। विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत वोटर लिस्ट से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिसने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया। मातुआ समुदाय—जो बांग्लादेशी हिंदू शरणार्थियों का सबसे बड़ा वोट बैंक है—ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के कार्यान्वयन के बाद बीजेपी का पूर्ण समर्थन किया। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में TMC कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा, ने गैर-टीएमसी मतदाताओं को एकजुट किया। पहले चरण में 92.88% का रिकॉर्ड मतदान इसी असंतोष का प्रमाण था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने इस लहर को और तेज किया। मोदी ने 'अंग-बंग-कलिंग' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में बीजेपी शासन का नारा

दिया, जबकि शाह ने 152 में से 110 सीटों पर बढ़त का दावा किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व, विकास और 'बुलडोजर बाबा' की छवि के साथ हिंदू मतदाताओं को लामबंद किया। महिला आरक्षण बिल को केंद्र सरकार की विफलता बताने वाले विपक्षी दावों को बीजेपी ने पलटकर टीएमसी के कुशासन से जोड़ा। उच्च मतदान ने दबे हुए वोटरों—खासकर महिलाओं और युवाओं—को बाहर निकाला, जो टीएमसी के 'खेला होगा' नारे से प्रभावित नहीं हुए। ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' वाली छवि इस हार के साथ पूरी तरह ध्वस्त हो गई। 2011 से बंगाल पर काबिज टीएमसी को अब विपक्ष की भूमिका निभानी पड़ेगी, जो उसके लिए अपरिचित चुनौती है। पार्टी में आंतरिक कलह की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि शुभेंदु अधिकारी जैसे पूर्व TMC नेता बीजेपी में सफल साबित हुए। ममता ने एग्जिट पोल्स को 'बीजेपी का पेड नैरेटिव' करार दिया और केंद्र पर सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया, लेकिन रुझान सरकार गंवाने की ओर स्पष्ट इशारा कर रहे थे। टीएमसी ने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए, परंतु निष्पक्षता के प्रमाण—जैसे रिकॉर्ड मतदान—ने इन दावों को कमजोर कर दिया। भविष्य में टीएमसी का पुनर्गठन कठिन होगा, क्योंकि उसका जमीनी संगठन भ्रष्टाचार के दागों से ग्रस्त हो चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर इस जीत के मायने गहन हैं। 2024 लोकसभा चुनावों में सीमित बहुमत वाली मोदी 2.0 सरकार को बंगाल ने पूर्ण राज्य सरकार के रूप में मजबूत आधार प्रदान किया। पूर्वी भारत में बीजेपी का विस्तार—असम और बिहार के साथ अब बंगाल—हिंदुत्व और विकास मॉडल की अपार सफलता का प्रमाण है। INDIA गठबंधन कमजोर पड़ जाएगा, क्योंकि टीएमसी का राष्ट्रीय कद घटेगा। उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर इसका सीधा असर पड़ेगा, जहां बीजेपी मजबूत स्थिति में होगी। संघ परिवार की संगठनात्मक क्षमता ने क्षेत्रीय दलों को कड़ी टक्कर दी, जो भविष्य के चुनावी रणनीतियों को प्रभावित करेगी। विपक्ष की स्थिति अब त्रिशंकु में आ गई है। कांग्रेस और वाम मोर्चा की नगण्य भूमिका 2021 से जारी रही, जो राष्ट्रीय विपक्ष की एकजुटता पर सवाल खड़े करती है। ममता का राजनीतिक करियर अब अनिश्चित है—क्या वे विपक्ष की नेता बनेंगी या पार्टी में नई पीढ़ी उभरेगी? विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगी: या तो कांग्रेस-वाम का मजबूत गठबंधन, या नया क्षेत्रीय मोर्चा। बंगाल अब बीजेपी का गढ़ बन चुका है, जिससे विपक्ष की आवाज राष्ट्रीय पटल पर और मद्धम हो गई। सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से, नई बीजेपी सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोक पर फोकस करेगी। मातुआ समुदाय को CAA के लाभ मिलेंगे, जबकि बंगाल की जर्जर अर्थव्यवस्था—जो टीएमसी के कुशासन से पीड़ित थी—को नई दिशा मिल सकती है। हालांकि, राजनीतिक हिंसा को समाप्त करना और बंगाली अस्मिता के साथ भगवा लहर का संतुलन बनाना प्रमुख चुनौतियां होंगी। महिलाओं, युवाओं और अल्पसंख्यकों के मुद्दे—जैसे आरक्षण, रोजगार और शिक्षा—नई सरकार के एजेंडे में रहेंगे। बंगाल की सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए विकास मॉडल लागू करना होगा।

आप का नजरीया

क्या बुद्धिजीवी आएंगे चुनाव में

नगर निगम चुनावों में सत्ता के पक्ष और विपक्ष के कद का मुकाबला आहूत है। प्रथम कदम उठाती भाजपा ने परिदृश्य को विस्तार देते हुए चुनाव को इतना महत्त्वपूर्ण बना दिया कि अब कांग्रेस ने नगरों के चूल्हे चौंके पर तमाम हमाम चढ़ा दिए हैं। ऐसे में छावनी बन गए नगर निगम हिमाचल की सियासत को नए प्रयोगों की जमीन बना कर ही छोड़ेंगे। यह इसलिए भी कि कुछ निर्दलीय वोटों को बटोरने की क्षमता में, दोनों प्रमुख दलों की कोशिशों को बट्टा लगा सकते हैं या अंतर्विरोध की तालिका में सपने बिगाड़ सकते हैं। सियासत सुर पकडने की कोशिश में आमने सामने है, तो चुनाव के कोरिडोर में सिर धड़ की बाजी सामने आ रही है। जाहिर है चुनाव पूरी तरह राजनीति में रंगे हैं, तो प्रचार की सामग्री में धब्बे और कीचड़ ही उछलेगा। खैर पालमपुर, मंडी, धर्मशाला व सोलन की जनता के सामने अपनी राजनीतिक-सामाजिक जागरूकता दर्ज कराने का अवसर भी तो है। राज्य की चिंताएं शहरों के वजूद से निकलेंगी तो राज्यस्तरीय खाकों में योजनाओं की जरूरत बढ़ेगी। शहर वे भी हैं जहां नगरपरिषदें या पंचायतें हैं, लेकिन निगमों के प्रारूप में हिमाचल क्या सोचता, यह इम्तिहान जरूरी है। सामाजिक तौर पर बुद्धिजीवी वर्ग की राजनीतिक या लोकतांत्रिक उदासीनता अगर यूं ही जारी रही, तो पार्षदों के रूप में हमें केवल कुछ सियासी खंभे ही मिलेंगे। देखना यह भी होगा कि चुनावी वादों का मानचित्र क्या बनता है और कितनी इच्छाशक्ति से पार्टियां अपने संकल्प पत्र तैयार करती हैं। विडंबना यह है कि शहरी सोच ने आर्थिक घरौंदे बना कर सारी व्यवस्था को उलट पलट दिया है। सोलन की अपनी शहरी दृष्टि पर चढ़ा नकाब यह देख ही नहीं पाता कि कल की हरी भरी पहाडियां आज सीमेंट के बुर्ज बन गई हैं। पालमपुर ने छीन लिए चाय के बागीचे और अब साथ लगती पहाडियों पर पर्यटन के नाम पर इन्हें छीलने का काम जारी है। धर्मशाला अपने अस्तित्व की बुलंद तस्वीर बनाते मकलोडगंज को 'मैलागंज' बना चुका है तो आर्थिक तरक्की का सूरमा बन कर लैंड माफिया राज कर रहा है। मंडी का संघर्ष अपनी ही सांस्कृतिक विरासत है, लेकिन जिक्र यह कि भाजपा इसे अपनी सियासत का चश्मदीद गवाह बनाना चाहती है। क्या हम मंडी को सांस्कृतिक राजधानी का दर्जा देने के लिए ये चुनाव लड़ेंगे। क्या सोलन को सुरक्षित अपार्टमेंट सिटी का खिताब हासिल करने का शोर ये चुनाव उठाएंगे। क्या पालमपुर अपने भीतर के 'पलम' को जिंदा रखते हुए चाय और कूहलों में बहते पानी को जिंदा रखने का चुनावी एहसास कराएगा या भीड़ के आलम में हम एक गिनती का बड़ा शहर बन जाएंगे। धर्मशाला को कई तखल्लुस मिले, लेकिन मिनी ल्हासा, शीतकालीन राजधानी, खेल नगरी या पर्यटन राजधानी के बिल्लों के नीचे, इसे चुनाव के सीने में कोई सरोकार मिलेंगे। शहरी चुनाव की भुजाओं बिलासपुर में नए सेक्टरों की ईजाद, नाहन अपने तालाबों से रिसते फरमान या चंबा के चौगान अपनी खो रही मुस्कान को फिर से हासिल कर पाएंगे। घुमारवीं के तलबों की पीड़ा में बड़े होते शहर के मजमून कब लिखे जाएंगे। मनाली की शान में क्या पर्यटन की फिरौती मांगता व्यापार यह भूल जाएगा कि इस कस्बे से आगे शहर की विशालता को भी अतीत का सुकून चाहिए। सुकून तो बड़े मंदिरों से जुड़े शहरों को भी चाहिए। नयना देवी मंदिर में जब यात्रियों के मेले लगते हैं, तो उस समय शहर की व्यथा क्या होती है। शहरों में शिमला से भटके हुए कार्यालय शिफ्ट हो रहे हैं या शिक्षा के नए अवतरण में युवा पहुंच रहे हैं, लेकिन क्या हम शहरों का वर्गीकरण करते हुए इन्हें इनकी पहचान के रूप में स्थापित कर रहे हैं। आखिर शहरी वोट है क्या। सिर्फ सियासी पिंजरे में वोट के तोते को कैद करना, तो कोई सफलता नहीं। शहर सुकून की जिंदगी, खुशहाल मंजर, सोच का समंदर, विद्या का मंदिर और आर्थिकी का लंगर बनें, इसके लिए बुद्धिजीवी वर्ग को अपने मत की महिमा बतानी होगी।

प्रथम कदम उठाती भाजपा ने परिदृश्य को विस्तार देते हुए चुनाव को इतना महत्त्वपूर्ण बना दिया कि अब कांग्रेस ने नगरों के चूल्हे चौंके पर तमाम हमाम चढ़ा दिए हैं। ऐसे में छावनी बन गए नगर निगम हिमाचल की सियासत को नए प्रयोगों की जमीन बना कर ही छोड़ेंगे। यह इसलिए भी कि कुछ निर्दलीय वोटों को बटोरने की क्षमता में, दोनों प्रमुख दलों की कोशिशों को बट्टा लगा सकते हैं या अंतर्विरोध की तालिका में सपने बिगाड़ सकते हैं। सियासत सुर पकडने की कोशिश में आमने सामने है, तो चुनाव के कोरिडोर में सिर धड़ की बाजी सामने आ रही है। जाहिर है चुनाव पूरी तरह राजनीति में रंगे हैं, तो प्रचार की सामग्री में धब्बे और कीचड़ ही उछलेगा। खैर पालमपुर, मंडी, धर्मशाला व सोलन की जनता के सामने अपनी राजनीतिक-सामाजिक जागरूकता दर्ज कराने का अवसर भी तो है। राज्य की चिंताएं शहरों के वजूद से निकलेंगी तो राज्यस्तरीय खाकों में योजनाओं की जरूरत बढ़ेगी। शहर वे भी हैं जहां नगरपरिषदें या पंचायतें हैं, लेकिन निगमों के प्रारूप में हिमाचल क्या सोचता, यह इम्तिहान जरूरी है। सामाजिक तौर पर बुद्धिजीवी वर्ग की राजनीतिक या लोकतांत्रिक उदासीनता अगर यूं ही जारी रही, तो पार्षदों के रूप में हमें केवल कुछ सियासी खंभे ही मिलेंगे। देखना यह भी होगा कि चुनावी वादों का मानचित्र क्या बनता है और कितनी इच्छाशक्ति से पार्टियां अपने संकल्प पत्र तैयार करती हैं।

दृष्टि कोण

पश्चिम बंगाल में सियासी बदलाव के निहितार्थ

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भीषण हार के बावजूद ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देना उनकी तानाशाही प्रवृत्ति को दर्शाता है। यह बात दीगर है कि संवैधानिक तौर पर ममता के इस्तीफे नहीं देने से भी प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बनने से नहीं रोका जा सकता। ममता की यह प्रवृत्ति दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की याद दिलाती है। इंदिरा गांधी ने लोकसभा चुनाव में धांधली के आरोपों में इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को मानने से इंकार करते हुए देश को आपाताकाल की आग में धकेल दिया था। ममता बनर्जी भी इसी राह पर चलती नजर आती हैं। ममता बनर्जी के 15 वर्षों के शासन का अंत उनके लिए किसी दुस्वप्न से कम नहीं है। ममता ने ऐलान किया कि राजभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। पश्चिम बंगाल में करारी हार के बाद भी टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के तेवर नरम नहीं पड़े हैं। ममता ने हार के बाद केंद्र सरकार से लड़ाई का नया ऐलान कर दिया। ममता ने कहा कि मुझे हराया गया है। उन्होंने बीजेपी और चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाते हुए कहा कि साजिश करके उन्हें हराया गया है। ममता ने कहा कि मैं हारी नहीं हूं, मैं राजभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। ममता के तेवरों से साफ हो गया है कि वह बीजेपी, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के साथ अपनी लड़ाई को आगे ले जाने का मंसूबा बना चुकी हैं। पश्चिम बंगाल की निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, बंगाल में यह (वोट चोरी) और ज्यादा हुआ क्योंकि हमने बहुत कड़ी लड़ाई लड़ी। हमारी लड़ाई सीधे तौर पर भाजपा के साथ नहीं थी, हमारी लड़ाई चुनाव आयोग के साथ थी। अगर चुनाव आयोग बिक जाए, न्यायपालिका से न्याय न मिले, इतने लोगों को एसआईआर के नाम पर निकाल दिया जाए, अधिकारी एकतरफा काम करें तो फिर क्या रास्ता रह जाता है। ममता के बयान से साफ जाहिर है कि उन्हें चुनाव हारने के कारण इंदिरा गांधी की तरह न्यायपालिका पर भरोसा नहीं रहा है। देश में यह पहला मौका है जब किसी मुख्यमंत्री ने न्यायपालिका पर अविश्वास जताया है। ममता की मनमानी का अंदाजा

इस बात से लगाया जा सकता है कि देश की शीर्ष अदालत ने कई मामलों में उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। संवैधानिक परंपराओं के तहत, अगर मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं, तो राज्यपाल विधानसभा का विशेष सत्र बुला सकते हैं। इस सत्र में बहुमत साबित करने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। भाजपा के पास 206 सीटें हैं और टीएमसी के पास सिर्फ 80, इसलिए ममता बनर्जी सदन में बहुमत साबित नहीं कर पाएंगी। जाहिर है अविश्वास प्रस्ताव पारित होते ही मुख्यमंत्री ममता को हर हाल में अपनी कुर्सी छोडनी होगी। भारतीय संविधान के अनुसार, मुख्यमंत्री का पद राज्यपाल की मंजूरी तक ही बना रहता है। अनुच्छेद 164 में स्पष्ट है कि राज्यपाल ही मुख्यमंत्री की नियुक्ति करते हैं। अगर मुख्यमंत्री चुनाव हार गए हैं या उनकी पार्टी सदन में बहुमत खो चुकी है और फिर भी वे इस्तीफा देने में आनाकानी करते हैं, तो राज्यपाल को उन्हें पद से बर्खास्त करने का पूरा अधिकार है। राज्यपाल एक आधिकारिक आदेश जारी कर वर्तमान सरकार को तत्काल प्रभाव से भंग कर सकते हैं। ममता के तेवरों से जाहिर है कि इंदिरा गांधी जैसा निरंकुश तरीका अपनाने का विफल प्रयास कर रही हैं। वर्ष 1971 में लोकसभा के चुनाव में इंदिरा गांधी ने रायबरेली से संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार राजनारायण को भारी अंतर से हराया था। प्रतिद्वंद्वी राजनारायण ने इसे कोर्ट में चुनौती दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस जगमोहन लाल सिन्हा ने 12 जून 1975 के दिन याचिका में इंदिरा गांधी के खिलाफ गिनाए गए पांच मुद्दों में तो इंदिरा गांधी को राहत दे दी थी, लेकिन दो मुद्दों पर उन्होंने इंदिरा गांधी को दोषी पाया था।

यूपी में सपा की सरकार बनने पर महाराणा प्रताप जयंती पर देंगे दो दिन का अवकाश : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने पर महाराणा प्रताप जयंती पर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाएगा। ये बयान शनिवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही है। उन्होंने कहा कि सरकार आने पर रिवर फ्रंट पर महाराणा प्रताप की चेतक घोड़े के साथ भव्य प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी, जिसमें सोने का भाला भी लगाया जाएगा। सपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि हमारी पार्टी ने हमेशा सभी वर्गों और समाज को साथ लेकर काम किया है और कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। इसी को आगे बढ़ाते हुए हम लोग सभी वर्ग और समाज को एकजुट होकर प्रदेश में होने वाले 2027 के विधान चुनाव में सपा की सरकार बनाने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियां हमेशा जनता के हित में रही हैं और आगे भी गरीब, किसान, नौजवान और आम लोगों के लिए काम किया जाएगा। इस दौरान अखिलेश यादव ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर रोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार और गरीब विरोधी बताते हुए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम सब लोगों को मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया का मुकाबला करना पड़ेगा। अखिलेश यादव के उक्त बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक जानकार इसे उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले चुनाव को लेकर सपा की रणनीति में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ आगे बढ़ते हुए पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में हाल ही में सम्पन्न चुनावी नतीजों के बाद बदले राजनीतिक फैक्टर से जोड़कर देख रही है। इस दौरान सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, जूही सिंह, अनुराग भदौरिया समेत पार्टी के विधायक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा बंगाल : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री योगी ने बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु को भगवा अंगवस्त्र पहनाया

लखनऊ, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की नई सरकार का भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही योगी ने शुभेंदु अधिकारी को मंच पर भगवा अंगवस्त्र भी पहनाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर शुभेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! उन्होंने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं आप (शुभेंदु अधिकारी) के ऊर्जावान नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' का संकल्प सिद्ध होगा और प्रदेश सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अधिकारी का कार्यकाल बंगाल के जन-जन की आकांक्षाओं की पूर्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय बने, माँ काली से यही प्रार्थना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी मंत्रियों को भी बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि पश्चिम बंगाल में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी नेताओं को भी हृदयतल से बधाई! पूर्ण विश्वास है कि आप सभी जन-सेवा को सर्वोपरि मानकर 'सोनार बांग्ला' के गौरव को पुनर्स्थापित करेंगे। माँ काली की कृपा से आप सभी का कार्यकाल यशस्वी और लोक-कल्याणकारी हो। वंदे मातरम! उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रचार के दौरान शुभेंदु अधिकारी ने एक जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका बंगाल की धरा पर स्वागत किया था। इसके उपरांत उनके चरणों में दण्डवत प्रणाम कर अपनी श्रद्धा निवेदित की थी।

कृषि मंत्री ने जीर्णोद्धारोपरान्त कृषि भवन का किया लोकार्पण

देवरिया, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि भवन के जीर्णोद्धार के उपरांत शनिवार को फीता काटकर एवं शिलालेख का अनावरण कर भवन का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने भवन के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि भवन काफी पुराना एवं जर्जर हो चुका था। विभागीय कार्यों के संचालन में असुविधा हो रही थी। इसी को देखते हुए भवन का जीर्णोद्धार कराया गया है। उन्होंने कहा कि अब भवन पूरी तरह व्यवस्थित एवं कार्य के अनुकूल हो गया है। विभागीय कार्यों के संचालन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाए। साथ ही कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं नवाचारी तकनीकों को किसानों तक पहुंचाकर उन्हें अधिक से अधिक लाभान्वित किया जाए। कृषि मंत्री शाही ने कहा कि जनपद में निर्माणाधीन कृषि परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। ताकि किसानों को समय से सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बैतालपुर में निर्मित कृषि प्रशिक्षण केंद्र में कृषि विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कराने के निर्देश दिए। इस दौरान कृषि भवन पहुंचने पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुके भेंट कर कृषि मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम के अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कृषि परिसर में वृक्षारोपण भी किया। लोकार्पण कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, श्रीनिवास मणि, उपनिदेशक कृषि सुभाष मौर्य, भूमि संरक्षण अधिकारी संतोष कुमार मौर्य, जिला कृषि अधिकारी उदय शंकर सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फुटवियर फैक्टरी के बाहर कर्मचारियों का हंगामा

कानपुर देहात, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जनपद के अकबरपुर थानाक्षेत्र में एक फुटवियर फैक्टरी के बाहर शनिवार को हजारों कर्मचारियों ने सैलरी बढ़ाने को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके और फैक्टरी प्रबंधन से मिलकर कर्मचारियों से बात करके हंगामा समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के जैनपुर औद्योगिक क्षेत्र में बनी अरविंद फुटवियर फैक्टरी में शनिवार सुबह से ही कर्मचारियों ने बाहर गेट के सामनेहंगामा शुरू कर दिया। कर्मचारियों का आरोप है कि सैलरी बढ़ाने की जगह कम्पनी सैलरी घटाने का काम कर रही है। कूर्मी राजेश ने बताया कि फैक्टरी में पहले हमको 422 रुपये प्रतिदिन मिलता था, जिसमें 26 दिन का पैसा दिया जाता था। वहीं अब 30 दिन का पैसा करके उसे 411 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है। कर्मचारी ने बताया कि कोई पे-स्लिप नहीं दी जाती है। न ही ओवर टाइम का पैसा मिलता है। वहीं 2020 से फैक्टरी में काम करने वाली राजकुमारी का आरोप है कि उनको 13500 रुपये दिया जाए। जो हमसे ओवर टाइम करवाया जाता है उसका डबल चार्ज दिया जाए। इन सभी मांगों को लेकर हजारों मजदूरों ने आज हड़ताल कर काम छोड़कर फैक्टरी के बाहर नारेबाजी करने लगे। हंगामा बढ़ता देख पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुँच गए और कर्मचारियों को समझाने का प्रयास करने लगे। खबर लिखे जाने तक फैक्टरी के बाहर हंगामा का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी अकबरपुर संजय कुमार ने बताया कि फैक्टरी प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच वेतन मामले को लेकर बातचीत चल रही है।

वाराणसी कचहरी विस्थापन का कांग्रेस ने किया विरोध, प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

वाराणसी, (हि.स.)। वाराणसी कचहरी के प्रस्तावित विस्थापन का विरोध तेज हो गया है। कांग्रेस पार्टी की वाराणसी महानगर इकाई ने शनिवार को प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के सांसद नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजकर कचहरी को शहर से बाहर स्थानांतरित करने के बजाए वर्तमान परिसर के विस्तार की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने सुझाव दिया कि कचहरी विस्तार के लिए उससे सटी बनारस क्लब की भूमि को अधिग्रहित कर न्यायिक परिसर में शामिल किया जाए। यह जानकारी कांग्रेस के वाराणसी महानगर अध्यक्ष एवं अधिवक्ता राघवेंद्र चौबे ने दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री को भेजे गए विस्तृत पत्र में काशी की न्यायिक व्यवस्था, जनसुविधा और ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। राघवेन्द्र चौबे ने कहा कि वाराणसी कचहरी केवल न्यायालय परिसर नहीं, बल्कि पूर्वांचल के लाखों लोगों की न्यायिक आस्था, सामाजिक विश्वास और प्रशासनिक व्यवस्था का केंद्र है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में परिसर में स्थानाभाव की गंभीर समस्या है, जिससे अधिवक्ताओं, वादकारियों और न्यायिक कार्यों में लगातार कठिनाइयां बढ़ रही हैं। हालांकि इसका समाधान कचहरी का विस्थापन नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विस्तार है। उन्होंने कहा कि बनारस क्लब को किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है, लेकिन कचहरी को उसके मूल न्यायिक क्षेत्र से हटाना आम जनता और न्याय व्यवस्था, दोनों के हित में नहीं होगा। काशी की ऐतिहासिक कचहरी वर्षों से शहर के केंद्र में विकसित हुई है, जहां प्रतिदिन हजारों लोग न्यायिक कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यदि इसे शहर से दूर ले जाया गया, तो गरीब, ग्रामीण, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं, दिव्यांगजन और दूर-दराज से आने वाले वादकारी सबसे अधिक प्रभावित होंगे। इससे न्याय प्राप्ति महंगी और जटिल हो जाएगी। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अधिवक्ता समाज और काशीवासियों की स्पष्ट मांग है कि कचहरी का विस्तारीकरण किया जाए, विस्थापन नहीं। उन्होंने दावा किया कि प्रस्तावित विस्थापन के विरोध में अधिवक्ता समाज पूरी तरह एकजुट है और इसे किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं करेगा। यह केवल अधिवक्ताओं का आंदोलन नहीं, बल्कि काशी की ऐतिहासिक न्यायिक व्यवस्था और जनसुविधाओं को बचाने का जनआंदोलन है। उन्होंने बताया कि मांग पत्र की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, मंडलायुक्त वाराणसी और जिलाधिकारी वाराणसी को भी भेजी गई है। वहीं, कांग्रेस से जुड़े वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक सिंह, अधिवक्ता लोकेश सिंह एवं अधिवक्ता वीरेंद्र पंडित ने समर्थन पत्र की प्रतियां दि सेंट्रल बार एसोसिएशन और बनारस बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को सौंपकर अधिवक्ता आंदोलन को समर्थन दिया।

पाकुड़ में सियारों ने ढाई माह की बच्ची को नोचकर खाया, दूसरी बच्ची गंभीर घायल

पाकुड़, (हि.स.)। झारखंड के पाकुड़ जिले में एक बेहद दर्दनाक और भयावह घटना सामने आई है। सदर प्रखंड के लखीनारायणपुर गांव में शुक्रवार रात सियारों के झुंड ने एक घर में घुसकर ढाई माह की मासूम बच्ची को उठा लिया और उसे नोचकर खा गया। वहीं दूसरी चार वर्षीय बच्ची पर भी हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मुफस्सिल थाना प्रभारी गौरव कुमार ने शनिवार को बताया कि लखीनारायणपुर गांव निवासी समीरुल शेख के घर में शुक्रवार देर रात अचानक सियारों का झुंड घुस आया। उस समय परिवार के सदस्य घर में सो रहे थे।

इसी दौरान सियार ढाई माह की मासूम आफिफा खातून को उठाकर ले गए। बाद में बच्ची के शरीर के केवल कुछ अवशेष ही बरामद हो सके। पुलिस के अनुसार, सियारों ने घर में मौजूद चार वर्षीय जासमीन खातून पर भी हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि जासमीन के रोने और चीखने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देख सियारों का झुंड वहां से भाग निकला। घटना के बाद घायल बच्ची को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। वहीं मासूम आफिफा खातून के शव के जो अवशेष मिले, उन्हें पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया कि इस घटना की जानकारी वरीय अधिकारियों के साथ-साथ वन विभाग को भी दे दी गई है। वन विभाग की टीम इलाके में सक्रिय होकर सियारों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। इस घटना के बाद लखीनारायणपुर गांव में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इलाके में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियों पर नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में गांव के आसपास सियारों की संख्या बढ़ी है, जिससे लोगों में लगातार डर बना हुआ है। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और मातम का माहौल है।

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

पश्चिमी सिंहभूम, (हि.स.)। पश्चिमी सिंहभूम जिला में कवि गुरु रविंद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने बंगाली सेवा समिति चाईबासा की ओर से संचालित टैगोर पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने बारी-बारी से पुष्प अर्पित करते हुए रवींद्रनाथ टैगोर अमर रहें, भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक जवाहरलाल बानरा ने कहा कि कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर विश्व साहित्य और मानवता के महान गायक थे। उन्होंने शांति, प्रेम और एकता का संदेश पूरी दुनिया को दिया। उनकी अमर रचनाएं आज भी मानवता, सत्य, सौंदर्य और विश्वबंधुत्व की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि समाज को उनके विचारों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राजश्री बनरा, सतीश पुरी, जय किशन बिरूली, प्रताप कटियार महतो, रितेश कुमार पिंटू, कामेश्वर विश्वकर्मा, रविशंकर विश्वकर्मा, जूली खत्री, द्वारिका शर्मा, शशि दास, मोटू कारवा, रोहित दास, पप्पू राय, नवीन बानरा, सूरज ठाकुर एवं राहुल सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

कोडरमा, (हि.स.)। जिले के सतगावां प्रखंड के टेहरो पंचायत अंतर्गत नंदूडीह गांव में शुक्रवार की देर रात वज्रपात (आकाशीय बिजली) की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात जब परिवार के सदस्य अपने घर में थे, तभी अचानक गरज के साथ तेज बारिश शुरू हुई। इसी दौरान जोरदार आवाज के साथ घर पर आकाशीय बिजली गिरा। इसकी चपेट में आने से प्रदीप यादव की पत्नी सरस्वती देवी (42), उनका पुत्र अंकित कुमार (12) और फुआ मुन्द्रिका देवी (60) गंभीर रूप से झुलस गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि घटना अचानक हुई और किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस प्रशासन भी गांव पहुंची। वहीं जनप्रतिनिधि और ग्रामीण पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं। शनिवार को मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है।

लाठीचार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, कई नेताओं ने थामा पार्टी का दामन

किशनगंज, (हि.स.)। इंडियन नेशनल कांग्रेस के किशनगंज जिला कार्यालय में शुक्रवार को शिक्षक अभ्यर्थियों पर हुए कथित पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में शनिवार को प्रेसवार्ता आयोजित की गई। कार्यक्रम प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के निर्देश पर जिलाध्यक्ष शाहबुल अख्तर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने बिहार सरकार एवं पुलिस प्रशासन की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शिक्षक अभ्यर्थियों की मांगों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। नेताओं ने सरकार से संवेदनशील एवं न्यायपूर्ण रवैया अपनाने की अपील की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अरुण साहब, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ महासचिव शमशीर अहमद उर्फ दारा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अजगर अली पीटर, प्रवक्ता जुल्फीकार अली, टेढ़ागाछ प्रखंड अध्यक्ष नफीस हैदर, ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव शम्भू कुमार यादव, तौसीफ अंजार, अमजद अली, राउफ खान, बुल्लू, तस्लीम, शुभम दास, गौतम कुमार, मौलाना मुबस्सिर, रियाजुल और रहमत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान राजद सहित अन्य दलों को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए जावेद प्रधान, वसीम अकरम खान, तनवीर आलम, इफ्तेखार अली एवं महबूब हैदर का नेताओं एवं कार्यकताओं ने पुष्पमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

डायल 112 को मजबूत करने के लिए 70 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

किशनगंज, (हि.स.)। जिले में आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली (ईआरएसएस) डायल 112 को अधिक प्रभावी और त्वरित बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। एसपी ने पुलिस निरीक्षक, सहायक निरीक्षक एवं पीटीसी स्तर के कुल 70 पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण किया है। सभी अधिकारियों को तत्काल नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। शनिवार को एसपी संतोष कुमार ने बताया कि डायल 112 आम लोगों के लिए आपात स्थिति में पहली संपर्क सेवा है। ऐसे में इस व्यवस्था को मजबूत और संवेदनशील बनाने के लिए अनुभवी एवं जिम्मेदार अधिकारियों की तैनाती आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सभी स्थानांतरित पदाधिकारी बिना किसी देरी के अपने नए कार्यस्थल पर पहुंचकर दायित्वों का निर्वहन करें। आदेश की अवहेलना या लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इस व्यापक तबादले का मुख्य उद्देश्य जिले के डायल 112 केंद्रों पर मानव संसाधन को मजबूत करना है, ताकि पुलिस की प्रतिक्रिया समय को कम किया जा सके और आम नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध हो सके। सीमावर्ती जिला होने के कारण किशनगंज में आपातकालीन सेवाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। हाल के दिनों में एसपी संतोष कुमार ने जिले को कानून-व्यवस्था को लेकर कई कड़े कदम उठाए हैं। इनमें जनता दरबार के माध्यम से आम लोगों की समस्याएं सुनना, थानों में नियमित रोल कॉल कराना तथा ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक जैसे निर्णय शामिल हैं। माना जा रहा है कि इस नई पहल से डायल 112 पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निष्पादन संभव हो सकेगा और जरूरतमंदों तक पुलिस सहायता तेजी से पहुंचेगी।

सुल्तानगंज नप सभापति राजकुमार गुड्डू की इलाज के दौरान मौत, क्षेत्र में शोक

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय में हुए जानलेवा गोलीकांड में गंभीर रूप से घायल सभापति राजकुमार गुड्डू ने आखिरकार 12 दिन तक जिंदगी और मौत की जंग लड़ने के बाद दम तोड़ दिया। उनका इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा था, जहां शनिवार 9 मई को उन्होंने अंतिम सांस ली। गोलीबारी की घटना के दौरान उनके शरीर में दो गोलियां फंसी रह गई थीं, जिससे उनकी हालत लगातार नाजुक बनी रही। डॉक्टरों की टीम लगातार उन्हें स्थिर करने की कोशिश करती रही, लेकिन गंभीर चोटों के कारण 11 दिन तक उनका ऑपरेशन भी संभव नहीं हो सका। अंततः संघर्ष हार गया और एक जनप्रतिनिधि की जिंदगी थम गई। इस दुखद खबर के फैलते ही जिले भर में शोक की लहर दौड़ गई। उनके समर्थकों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। नगर परिषद कार्यालय से लेकर उनके आवास तक मातम पसरा हुआ है। हर तरफ सन्नाटा और आंसुओं का माहौल है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त से सख्त सजा की मांग की है। राजकुमार गुड्डू के निधन के बाद पूरे क्षेत्र में श्रद्धांजलि सभाओं का दौर शुरू हो गया है। उनके समर्थक और स्थानीय लोग लगातार उन्हें याद कर भावुक हो रहे हैं। हर आंख नम है। उल्लेखनीय है कि बीते 28 अप्रैल को सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय में दिनदहाड़े अपराधियों ने अंदर घुसकर सभापति और कार्यपालक अधिकारी (ईओ) पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सभापति राजकुमार गुड्डू गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

बुद्धिजीवियों ने चलाई शिक्षा जागरूकता अभियान

नवादा, (हि.स.) शिक्षा जागरूकता के लिए दृढ़ संकल्पित बुद्धिजीवी विचार मंच का वर्षों से जारी शिक्षा जागरूकता अभियान शनिवार को मध्यविद्यालय ओढ़नपुर के पोषक क्षेत्र में चलाया गया। मंच के संयोजक शिक्षाविद अवधेश कुमार के निर्देशन और ओढ़नपुर मध्यविद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ राजू रंजन कुमार के नेतृत्व में शनिवार को भव्य शिक्षा रैली निकाली गई जिसमें सैकड़ों स्कूली बच्चों के अलावे शिक्षक अभिभावक और मंच के साथियों ने भाग लिया। आकर्षक लोक गीतों, आंचलिक नारों और प्रेरक तख्तियों के साथ निकाली गई इस शिक्षा रैली में बच्चों को स्कूल भेजने, नियमित रूप से माता पिता के निर्देशन में स्वाध्याय, साफ सफाई और बच्चों के भविष्य की योजनाएं जैसे प्रभावी संदेश गांव की तंग गलियों में भी गूंज उठा। खासकर अमौनी, ओढ़नपुर आमीपुर जैसे गांवों के सार्वजनिक स्थल पर मजमा लगाकर आकर्षक शिक्षा गीतों का गायन और नारों की समवेत ध्वनि ने निरक्षर महिलाओं को भी देहरी से बाहर निकलने को मजबूर कर दिया। बड़ी संख्या में भाग लेने वाले बच्चों का अनुशासन और शालीनता एवं शैक्षणिक उद्बोधन से अभिभावक भी गौरव महसूस कर रहे थे जबकि बेटियों के उत्साह से एक बेहतर और शिक्षित समाज निर्माण का रास्ता साफ हो रहा था। मंच के वरिष्ठ अधिकारी एवं सुविख्यात चिकित्सक डॉ सुनीति कुमार ने अभियान की सफलता का श्रेय बुद्धिजीवी विचारमंच के साथियों की प्रतिबद्धता, ओढ़नपुर विद्यालय के शिक्षकों और बच्चों के उत्साह को दिया है।

एडोब ने नोएडा में खोला नया एआई केंद्रित कार्यालय

नई दिल्ली

अमेरिकी साफ्टवेयर दिग्गज एडोब ने हाल ही में नोएडा में अपने अत्याधुनिक नया कार्यालय खोल लिया है जो भारत में कंपनी के विस्तार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नवाचार पर उसके बढ़ते जोर को दर्शाता है।

उत्तर प्रदेश में तीसरे और देश में सातवें परिसर में 700 से अधिक कर्मचारी करेंगे काम

यह भारत में एडोब का सातवां और उत्तर प्रदेश में तीसरा परिसर है, जो वर्तमान में 700 से अधिक इंजीनियरिंग और ग्राहक सेवा विशेषज्ञों को समायोजित कर रहा है। नोएडा के सेक्टर 129 में स्थित यह नया कार्यालय एडोब की भारत में रणनीतिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंपनी का लक्ष्य एआई-आधारित नवाचार को बढ़ावा देना और वैश्विक रचनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। एडोब इंडिया के कंट्री मैनेजर और डाक्यूमेंट क्लाउड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अभिज्ञान मोदी ने कहा कि यह उद्घाटन एआई और एजेंटिक तकनीकों की ओर बढ़ रही दुनिया में भारत से नवाचार को गति देने की हमारी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परिसर को आधुनिक तकनीक और सहयोगी कार्यस्थलों के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि एआई युग में टीमवर्क और कर्मचारियों की भागीदारी को बढ़ावा मिल सके। एडोब इंडिया की एम्प्लाई एक्सपीरियंस हेड स्वाति रुस्तगी ने बताया कि यह कार्यालय तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में टीमों को अधिक प्रभावी ढंग से साथ काम करने में सक्षम बनाएगा। इसके अतिरिक्त, यह आईजीबीसी-प्लेटिनम प्रमाणित है, जो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण और ऊर्जा-बचत प्रणालियों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एडोब ने 1997 में एक इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास केंद्र के रूप में भारत में अपनी यात्रा शुरू की थी। तब से कंपनी ने देश में अभूतपूर्व विस्तार किया है। वर्तमान में, एडोब भारत में 8,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है, जिससे यह अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा कार्यबल केंद्र बन गया है। कंपनी के वैश्विक नवाचार में भारत की हिस्सेदारी एक-तिहाई से भी अधिक है। प्रतिभा विकास के लिए भी एडोब सक्रिय रूप से काम कर रही है। इसी साल कंपनी ने भारत के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों के छात्रों को फायरफ्लाई, फोटोशाप और एक्रोबैट जैसे प्रमुख एआई-टूल्स मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, जिसका उद्देश्य भविष्य के लिए एक एआई-रेडी कार्यबल तैयार करना है।

न्यूज ब्रीफ

जल्द लांच हो सकता है नया स्मार्टफोन गैलेक्सी ए27

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग अपनी लोकप्रिय गैलेक्सी ए-सीरीज का विस्तार करने की तैयारी में जुटा हुआ है। जल्द ही सैमसंग नया स्मार्टफोन गैलेक्सी ए27 लान्च कर सकती है। फोन की आधिकारिक लिस्टिंग सामने आने के बाद इसके कई संभावित फीचर्स और डिजाइन से जुड़ी अहम जानकारियां सामने आई हैं। माना जा रहा है कि यह स्मार्टफोन पिछले साल आए गैलेक्सी ए26 का अपग्रेड वर्जन होगा और खास तौर पर बजट तथा मिड-रेंज ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार सैमसंग की ब्राजील वेबसाइट पर गैलेक्सी ए27 की जानकारी दिखाई दी है, जिससे इसके जल्द बाजार में आने के संकेत मिल रहे हैं। इससे पहले भी कई लीक्स में इसके डिजाइन और स्पेसिफिकेशन की जानकारी सामने आ चुकी है। फोन में होल-पंच डिस्प्ले डिजाइन दिया जा सकता है, जबकि पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। इसके अलावा कंपनी का खास की आइलैंड डिजाइन फीचर भी इसमें शामिल होने की संभावना है। कैमरा फीचर्स की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य कैमरा मिलने की उम्मीद है। इसके साथ 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड कैमरा और 2 मेगापिक्सल का डेप्थ सेंसर दिया जा सकता है। वहीं, सेल्फी और वीडियो कालिंग के लिए 12 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलने की संभावना जताई जा रही है।

पेट्रोल-डीजल के भाव लखनऊ और पटना में बढ़े, गुरुग्राम में घटे

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा शनिवार को जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में देशभर में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां कुछ शहरों में दाम बढ़े, वहीं कुछ में मामूली राहत मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल का 100 डालर प्रति बैरल के ऊपर बने रहना, खासकर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के कारण, इन उतार-चढ़ावों की मुख्य वजह है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट दर्ज होने के बावजूद, ब्रेंट क्रूड अभी भी लगभग 101.30 डालर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 95.72 डालर प्रति बैरल पर बना हुआ है। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के कारण कच्चा तेल लगातार 100 डालर के मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर है, जिससे खुदरा ईंधन की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल 4 पैसे महंगा होकर 94.73 रुपये और डीजल 5 पैसे बढ़कर 87.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल 25 पैसे और डीजल 23 पैसे महंगा हुआ। इसके विपरीत, हरियाणा के गुरुग्राम में उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली, जहां पेट्रोल 35 पैसे और डीजल 33 पैसे सस्ता हुआ। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे प्रमुख महानगरों में ईंधन की कीमतें लगभग स्थिर बनी हुई हैं।

नई टोयोटा फार्च्यूनर कीमतों में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। ग्राहकों को अब नई टोयोटा फार्च्यूनर खरीदने के लिए 87 हजार रुपये तक अधिक खर्च करने होंगे। टोयोटा कंपनी ने नई कीमतें सभी वैरिएंट्स पर लागू कर दी गई हैं। भारतीय बाजार में फार्च्यूनर पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्पों के साथ उपलब्ध है और इसकी मजबूत रोड प्रेजेंस तथा दमदार परफार्मेंस के कारण यह लंबे समय से ग्राहकों की पसंद बनी हुई है। कंपनी ने 2.7 लीटर पेट्रोल और 2.8 लीटर डीजल वैरिएंट्स की कीमतों में 60 हजार रुपये से लेकर 87 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की है। सबसे अधिक इजाफा जीआर-एस 4 डब्ल्यूडी आटोमैटिक वैरिएंट में किया गया है। नई कीमतों के बाद इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत अब 34.76 लाख रुपये से शुरू होकर 50.46 लाख रुपये तक पहुंच गई है। फार्च्यूनर 4गुणा2 और 4गुणा4 ड्राइवट्रेन विकल्पों में उपलब्ध है। इसी बीच टोयोटा नई जनरेशन फार्च्यूनर पर भी तेजी से काम कर रही है। नए माडल में अधिक आधुनिक और आक्रामक डिजाइन देखने को मिल सकता है।

भारतीय सेना के लिए महिंद्रा ने पेश किया खास आल-टेरेन व्हीकल

नई दिल्ली

भारतीय सेना के लिए स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने एक खास आल-टेरेन व्हीकल पेश किया है, जिसे थार राक्स के प्लेटफार्म पर तैयार किया गया है। कंपनी ने इस वाहन को कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सैन्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया है। जल्द ही इसे भारतीय सेना के ट्रायल के लिए भेजा जाएगा। अगर ट्रायल सफल रहता है, तो भविष्य में यह वाहन सेना के बेड़े का हिस्सा बन सकता है। यह सैन्य वाहन सामान्य थार से काफी अलग और ज्यादा मजबूत बनाया गया है। इसके फ्रंट में भारी-भरकम बंपर और विंच दी गई है, जो खराब रास्तों या कीचड़ में फंसने पर वाहन को बाहर निकालने में मदद करेगी।

वाहन के शीशों और बाडी की सुरक्षा के लिए मजबूत लोहे का फ्रेम लगाया गया है। साथ ही भारी दरवाजों की जगह पाइप वाले ढांचे का इस्तेमाल किया गया है, ताकि जवान तेजी से वाहन में चढ़-उतर सकें और आसपास की गतिविधियों पर नजर रख सकें। खराब और ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए इसमें 18 इंच के मजबूत टायर और ज्यादा ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। पावर के लिए इसमें 2.2 लीटर का डीजल इंजन लगाया गया है, जो 172 बीएचपी की ताकत और 400 एनएम टार्क पैदा करता है। इसमें 4गुणा4 सिस्टम भी दिया गया है, जिससे यह रेगिस्तान, पहाड़ और कीचड़ वाले इलाकों में आसानी से चल सके। वाहन के पिछले हिस्से में अतिरिक्त पहियों, ईंधन कैन और सैन्य उपकरण रखने की विशेष व्यवस्था भी की गई है। महिंद्रा ने इस वाहन में पारंपरिक छत की जगह मजबूत रोल केज लगाया है। इसके ऊपर 360 डिग्री घूमने वाला टरेट लगाया जा सकता है, जिस पर मशीन गन फिट करने की सुविधा भी दी गई है।

आईटी क्षेत्र में जमकर पैसा लगा रहीं भारतीय कंपनियां, एआई और तकनीकी बदलाव पर किया फोकस

नई दिल्ली। भारतीय कार्पोरेट जगत में तकनीक को अपनाने की गति वैश्विक स्तर के मुकाबले कहीं अधिक तेज होने वाली है। हाल ही में जारी एक विशेषज्ञ रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कंपनियों के टेक्नोलाजी बजट में वर्ष 2026 तक लगभग 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इस निवेश की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि कुल खर्च का करीब 40 से 45 प्रतिशत हिस्सा अकेले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तकनीकी परिवर्तन (टेक ट्रांसफारमेशन) से जुड़ी परियोजनाओं पर केंद्रित होगा। भारत में आईटी खर्च की यह अनुमानित वृद्धि दर वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की 4-6 प्रतिशत की वृद्धि दर से काफी अधिक है, जो भारतीय बाजार की मजबूती और भविष्य की तैयारी को दर्शाता है। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 18 महीनों में तकनीकी निवेश में जो तेजी आई है, वह अगले दो-तीन वर्षों तक निरंतर जारी रहने की उम्मीद है। यह एक संरचनात्मक निवेश चक्र का संकेत है, जिसमें भारतीय उद्यम अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर ध्यान दे रहे हैं। विशेष रूप से एआई प्लेटफार्म और डेटा आधुनिकीकरण के लिए बजट का एक बड़ा हिस्सा आवंटित किया जा रहा है। भारत की विशिष्टता यह भी है कि यहां टेक्नोलाजी बजट का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के रूप में खर्च होता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा महज 20-30 प्रतिशत तक ही सीमित रहता है। वर्तमान में भारतीय कंपनियों के पूंजीगत व्यय का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा विशेष रूप से एआई और डेटा आधारित प्रणालियों पर खर्च किया जा रहा है। तकनीकी खर्च के अन्य प्रमुख क्षेत्रों में कोर एप्लिकेशन आधुनिकीकरण और क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर की हिस्सेदारी 25-25 प्रतिशत है, जबकि साइबर सुरक्षा पर 20 प्रतिशत निवेश किया जा रहा है। यह स्पष्ट करता है कि कंपनियां अपनी बुनियादी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों को भी प्राथमिकता दे रही है। आगामी 12 महीनों के दौरान लगभग 60 प्रतिशत मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) उच्च-प्रभाव वाले एआई रोडमैप को अपनी प्राथमिकता सूची में शीर्ष पर रख रहे हैं। हालांकि, इस तकनीकी बदलाव की राह में कुछ चुनौतियां भी बरकरार हैं।

टाटा मोटर्स ने किया नया अल्ट्रा रेड डार्क एडिशन लान्च

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय एसयूवी हैरियर और सफारी के डीजल वैरिएंट्स में टाटा मोटर्स ने नया अल्ट्रा रेड डार्क एडिशन लान्च कर दिया है। यह स्पेशल एडिशन पहले केवल पेट्रोल माडल्स तक सीमित था, लेकिन अब डीजल इंजन पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए भी इसे उपलब्ध करा दिया है।

कंपनी के इस नए एडिशन को दोनों एसयूवी के टाप-स्पेक वैरिएंट के रूप में पेश किया गया है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा प्रीमियम फीचर्स और आकर्षक डिजाइन का विकल्प मिलेगा। कंपनी ने हैरियर अल्ट्रा डीजल मैनुअल की एक्स-शोरूम कीमत 23.84 लाख रुपये तय की है, जबकि सफारी अल्ट्रा डीजल मैनुअल 7-सीटर वैरिएंट की कीमत 24.49 लाख रुपये रखी गई है। इस नए एडिशन में खास अल्ट्रा रेड एक्सटीरियर फिनिश के साथ डार्क थीम दी गई है, जो एसयूवी को ज्यादा स्पोर्टी और प्रीमियम लुक देती है। डिजाइन के साथ-साथ इसके इंटीरियर को भी आधुनिक फीचर्स से लैस किया गया है।

नई हैरियर और सफारी अल्ट्रा रेड डार्क एडिशन में 14.5 इंच का हरमन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डाल्बी एटमास आडियो सिस्टम और कई एडवांस डिजिटल फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा इंटीग्रेटेड डैशकैम, डुअल कैमरा वाशर सिस्टम, मेमोरी ओआरवीएम और इन-बिल्ट नेविगेशन जैसी सुविधाएं भी इसमें शामिल की गई हैं।

कंपनी का कहना है कि यह एडिशन खास तौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो लंबी दूरी की यात्रा के लिए दमदार डीजल इंजन और प्रीमियम केबिन अनुभव चाहते हैं।

पृष्ठ तीन का शेष

प. बंगाल में पहली ...

नंदीग्राम सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। दिलीप घोष ने खड़गपुर सदर, अग्निमित्रा पाल ने आसनसोल दक्षिण, अशोक कीर्तनिया ने बनगांव उत्तर, क्षुदिराम टुडू ने रानीबांध और निशीथ प्रमाणिक ने माथाभांगा सीट से जीत दर्ज की है। हालांकि, अभी पूरी मंत्रिमंडल का गठन नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही सुवेंदु अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। उल्लेखनीय है कि, चार मई को घोषित विधानसभा चुनाव नतीजों में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया था। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही मुख्यमंत्री पद के लिए सुवेंदु अधिकारी का नाम सबसे आगे माना जा रहा था। शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक रूप से उनके नाम की घोषणा की। अमित शाह ने कहा कि विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री पद के लिए आए सभी प्रस्तावों में केवल सुवेंदु अधिकारी का ही नाम था और किसी अन्य नाम का प्रस्ताव नहीं आया। इसके बाद उन्हें सर्वसम्मति से पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री घोषित किया गया।

डॉ. शर्मा ने पश्चिम ...

बंग, कलिंग और प्राग्ज्योतिष अब एक ऐसे प्रशासन द्वारा शासित हैं जो संतानी मूल्यों को संरक्षित करने में गहराई से निहित है। ये पवित्र भूमि हमारी नारी शक्ति (महिला सशक्तिकरण) की आध्यात्मिक विरासत को समेटे हुए है। इसी पूर्व भारत में मां कामाख्या, मां त्रिपुरा सुंदरी, मां तारा तारिणी, मां काली और मां जानकी निवास करती हैं। मां के आशीर्वाद से हमारे क्षेत्र के लिए एक नया अध्याय शुरू हो, शर्मा ने कहा और वंदे मातरम के साथ अपना संदेश समाप्त किया। शर्मा के नेतृत्व में एनडीए ने असम में लगातार तीसरी बार भारी जीत हासिल की थी। राज्य में भाजपा विधायक दल रविवार को अपने नेता का चुनाव करने जा रहा है।

मुख्यमंत्री के शपथ ...

असम के मुख्यमंत्री के रूप में मंगलवार को शपथ लेंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि मंगलवार को दोपहर 12 बजे नए मुख्यमंत्री खानापाड़ा वेटरिनरी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित एक भव्य समारोह में अपने पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। कार्यक्रम स्थल पर भव्य पंडालों का निर्माण किया जा रहा है।

भाजपा को रोकने के...

राजनीतिक दलों को वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर काम करना होगा। उन्होंने भाजपा विरोधी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए संकेत दिया कि राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए *अति वामपंथी* विचारधारा के साथ भी संवाद संभव है, यदि उसका उद्देश्य भाजपा को रोकना हो। ममता बनर्जी ने दावा किया कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, झाड़खंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई विपक्षी नेताओं ने उन्हें फोन कर समर्थन का भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में राजनीतिक कार्यक्रमों में भीड़ कम दिखाई दे सकती है, लेकिन जनता का समर्थन उनके साथ है। मुख्यमंत्री ने छात्र संगठनों, गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ), सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी समूहों से भी इस अभियान में शामिल होने की अपील की। हालांकि, उन्होंने व्यापारिक वर्ग की भूमिका को लेकर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि उनके हित अक्सर अलग होते हैं। कार्यक्रम के दौरान ममता बनर्जी ने रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित की और सांस्कृतिक एकता तथा सामाजिक समरसता पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से तीन स्थानों पर रवींद्र जयंती कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई।

पीएम मोदी ने मंच...

जोड़कर उत्तर बंगाल में भाजपा का मजबूत आधार तैयार किया। बाद में वे सिलीगुड़ी संगठनात्मक जिले के पहले भाजपा अध्यक्ष भी बने और लगातार सात वर्षों तक इस पद पर रहे। समारोह के दौरान शमिक भट्टाचार्य ने माखनलाल सरकार के जीवन की एक और घटना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस शासनकाल में देशभक्ति गीत गाने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। अदालत में जब उनसे माफी मांगने को कहा गया तो उन्होंने इनकार कर दिया और अदालत में ही दोबारा वही गीत गाकर सुनाया। इसके बाद न्यायाधीश ने उन्हें सम्मान के साथ घर लौटने के लिए प्रथम श्रेणी का टिकट और 100 रुपए देने का आदेश दिया था। भाजपा नेताओं का कहना है कि पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार का गठन भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को पूरा करने जैसा है। ऐसे में शपथ ग्रहण समारोह में उनके पुराने सहयोगी माखनलाल सरकार को सम्मानित कर भाजपा ने अपने संगठनात्मक इतिहास और पुराने संघर्षों को याद किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा माखनलाल सरकार के पैर छूना केवल एक वरिष्ठ कार्यकर्ता का सम्मान नहीं था, बल्कि बंगाल में भाजपा के शुरुआती संघर्ष और संगठन निर्माण की विरासत को नमन करने का संदेश भी था।

तमिलनाडु में वीसीके ...

बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने भी अपने-अपने दो विधायकों का समर्थन दिया। इन समर्थन पत्रों के बाद टीवीके के पक्ष में कुल संख्या 117 तक पहुंच गई थी। इसके बाद पूरे राज्य की निगाहें वीसीके पर टिक गई थीं। शनिवार शाम हुई पार्टी की अहम बैठक में टीवीके को समर्थन देने पर सहमति बनी। वीसीके ने बिना किसी शर्त के विजय को समर्थन पत्र सौंप दिया। पार्टी के दो विधायकों के समर्थन के बाद टीवीके के समर्थन में कुल संख्या 118 हो गई, जो सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा है। टीवीके नेता अर्जुन ने कांग्रेस, वामपंथी दलों और वीसीके प्रमुख थोल. थिरुमावलवन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विजय मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और जल्द ही नई सरकार का गठन किया जाएगा। इस बीच राज्य की राजनीति में एक और मोड़ तब आया, जब इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने पहले टीवीके को समर्थन देने से इनकार किया, लेकिन बाद में समर्थन दे दिया। राजनीतिक हलकों में इसे सत्ता गठन की दिशा में बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विजय को 10 मई तक बहुमत साबित करने का समय दिया था। पिछले कुछ दिनों में विजय ने कई बार राज्यपाल से मुलाकात कर समर्थन पत्र सौंपे। शुरुआत में टीवीके और कांग्रेस विधायकों के समर्थन के बावजूद बहुमत का आंकड़ा पूरा नहीं हो पाया था, लेकिन बाद में सीपीआई, सीपीआई (एम), वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन से यह संख्या बढ़कर 120 तक पहुंच गई। अब विजय जल्द ही राज्यपाल से दोबारा मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

शेख हसीना ने सुवेंदु ...

संभालने पर वह सुवेंदु अधिकारी को अपनी ओर से तथा बांग्लादेश की जनता की ओर से हार्दिक बधाई देती हैं। हसीना ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता का जनादेश सुवेंदु अधिकारी के सशक्त और जनोन्मुखी नेतृत्व में उनके गहरे विश्वास और सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल भारत और बांग्लादेश की मित्रता के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है तथा दोनों पक्ष भाषा, संस्कृति और विरासत के साझा संबंधों से जुड़े हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारत और बांग्लादेश के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे। पड़ोसी होने के नाते बांग्लादेश हमेशा पश्चिम बंगाल की समृद्धि और शांति की कामना करता रहा है। आशा है कि सुवेंदु अधिकारी के कार्यकाल के दौरान हमारे बीच आपसी सहयोग की सुदीर्घ परंपरा और भी अधिक सुदृढ़ होगी। हम दोनों जनता के साझा विकास और कल्याण के लिए मिलकर कार्य करना जारी रखेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री हसीना ने सुवेंदु अधिकारी और पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मंत्रिमंडल के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और सफल कार्यकाल की भी कामना की।

90 दिनों में चार ...

के आदेश की अवहेलना करने वाले पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए चार थाना अध्यक्ष समेत 12 कर्मियों को निलंबित के साथ 38 का वेतन धारित तथा 9 को विभागीय दंड दिया गया। बेहतर एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को कुल 1 लाख 21 हजार 650 रुपए की पुरस्कार राशि दी गई। पुरस्कृत कर्मियों में पुलिस अवर निरीक्षक एवं परिचारी पुलिस अवर निरीक्षक के 42 कर्मी शामिल हैं, जिन्हें सबसे अधिक 65 हजार 500 रुपए पुरस्कार के रूप में प्रदान किए गए। इसके अलावा 86 सिपाहियों को 17 हजार 500 रुपए, 18 गृह रक्षकों को 10 हजार 600 रुपए, 7 चौकीदारों को 7 हजार 700 रुपए तथा 4 डाटा एंट्री ऑपरेटरों को 8 हजार 400 रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षु सिपाही, चालक हवलदार, सहायक अवर निरीक्षक और पीटीसी कर्मियों को भी पुरस्कृत किया गया। दूसरी ओर, ड्यूटी में लापरवाही और अनुशासनहीनता के मामलों में 4 थानाध्यक्ष सहित कुल 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया। इनमें 1 परिचारी, 3 पुलिस अवर निरीक्षक, 2 सिपाही और 2 चौकीदार भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 38 पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों का वेतन रोक दिया गया, जबकि 9 कर्मियों को निंदन एवं कलांक जैसी विभागीय सजा दी गई है।

पश्चिम बंगाल में ...

स्वयं सीमा पर मौजूद रहे और पूरी जांच प्रक्रिया की निगरानी की। अचानक कड़ी की गई जांच व्यवस्था के कारण भारतीय सीमा से नेपाल जाने वाले वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। वहीं, दैनिक मजदूरी के लिए नेपाल जाने वाले लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और वैध पहचान पत्र न होने पर कई लोगों को वापस लौटाया गया। जोगबनी रेलवे स्टेशन पर दिल्ली और कोलकाता से आने वाली ट्रेनों के पहुंचने के बाद भारतीय और नेपाली नागरिकों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ी। सीमा पर जाम की स्थिति बनी रही। इस संबंध में नेपाल के मोरंग सीडीओ युवराज कट्टेल ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि यह नियम केवल भारतीय नागरिकों पर ही नहीं, बल्कि सभी देशों के नागरिकों पर समान रूप से लागू है। उन्होंने बताया कि आंतरिक सुरक्षा और अवैध घुसपैठ को रोकने के उद्देश्य से नेपाल सरकार के निर्देशों के अनुसार सीमा पर सख्ती बरती जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि नेपाल या भारत आने-जाने के दौरान हमेशा वैध पहचान पत्र साथ रखें।

दक्षिण भारत में ...

कहा कि जनता का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रेम और विश्वास के कारण ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। साथ ही उन्होंने राज्य में एक बार फिर भाजपा सरकार बनने की इच्छा व्यक्त की। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, वरिष्ठ नेता जगदीश शेट्टार सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। राज्य के विभिन्न मठों के स्वामीजी भी कार्यक्रम में शामिल हुए और येदियुरप्पा को आशीर्वाद दिया। *अभिमानोस्तव* कार्यक्रम के लिए चित्रदुर्ग के बाहरी क्षेत्र में विशाल मंच तैयार किया गया था। राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक वाहनों के माध्यम से पहुंचे। आयोजन स्थल पर पेयजल, भोजन, चिकित्सा सहायता और छाया जैसी सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी।

आईपीएल 2026 : आरेंज और पर्पल कैप की जंग तेज, सूर्यवंशी, रबाडा और आर्चर पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में आरेंज और पर्पल कैप की रेस रोमांचक होती जा रही है। शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया, जिसके बाद दोनों सूची में कुछ खिलाड़ियों की स्थिति और मजबूत हुई, जबकि शनिवार को राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस के मुकाबले में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

आरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 494 रन के साथ बने हुए हैं। उनके पीछे अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल ने कोलकाता के खिलाफ 23 रन की पारी खेलकर अपना कुल स्कोर 468 तक पहुंचा दिया और तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

शनिवार के मुकाबले में राजस्थान रायल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी पर सभी की नजरें रहेंगी। सूर्यवंशी अब तक 404 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज़ बी साई सुदर्शन 385 रन के साथ सातवें और शुभमन गिल 378 रन के साथ दसवें स्थान पर मौजूद हैं।

दूसरी ओर पर्पल कैप की रेस में भी मुकाबला बेहद दिलचस्प बना हुआ है। कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज़ कार्तिक त्यागी ने दिल्ली के खिलाफ दो विकेट लेकर अपनी विकेट संख्या 13 तक पहुंचा दी। पिछले चार मैचों में वह आठ विकेट ले चुके हैं।

हालांकि शीर्ष पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 17-17 विकेट लेकर क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर हैं। इकानमी रेट के आधार पर भुवनेश्वर आगे हैं। उनके पीछे प्रिंस यादव, कगिसो रबाडा और ईशान मलिंगा 16-16 विकेट के साथ मौजूद हैं।

शनिवार को गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा पर खास नजर रहेगी। रबाडा ने पिछले छह मैचों में 12 विकेट हासिल किए हैं और यदि वह अपनी लय बरकरार रखते हैं तो पर्पल कैप उनके सिर सज सकती है।

वहीं राजस्थान रायल्स के जोफ्रा आर्चर भी इस दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। उनके नाम 15 विकेट हैं और वह शीर्ष खिलाड़ियों से ज्यादा पीछे नहीं हैं। ऐसे में शनिवार के मुकाबले में रबाडा और आर्चर की गेंदबाज़ी मैच का रुख तय कर सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

वैभव टेस्ट क्रिकेट खेलने का भी प्रयास करें : पुजारा

मुम्बई। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल 2026 में अच्छे प्रदर्षन के लिए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा ने हालांकि ये भी कहा कि वैभव को केवल टी20 प्रारुप तक सीमित न रहते हुए अवसर मिलने पर टेस्ट क्रिकेट खेलने का भी प्रयास करना चाहिये। पुजारा के अनुसार टेस्ट क्रिकेट में ही किसी खिलाड़ी के खेल कौशल की परीक्षा होती है। इसके अलवा लंबे प्रारुप में खेलकर वह खेल के प्रति सम्मान प्रकट कर सकते हैं। इस सत्र में राजस्थान रायल्स की ओर से वैभव अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने 10 पारियों में कुल 404 रन बनाए हैं, जिसके कारण प्रशंसकों और विशेषज्ञों द्वारा उन्हें जल्द से जल्द भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग तेज़ हो गई है। वहीं पुजारा ने कहा कि वैभव टी20 क्रिकेट में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं और भविष्य में उन्हें भारतीय टीम में जगह मिलने की पूरी संभावना है पर अगर उनमें क्षमता है और उसे सही मौका मिलता है, तो उसे निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेलने का लक्ष्य रखना चाहिए। पुजारा ने जोर देकर कहा कि टेस्ट प्रारूप ही खिलाड़ी में धैर्य, अद्वितीय कौशल और खेल के प्रति उस सम्मान को विकसित करता है, जिसकी हर युवा क्रिकेटर को आकांक्षा करनी चाहिए। उनके अनुसार, हर युवा खिलाड़ी के मन में टेस्ट क्रिकेट का ख्याल जरूर होना चाहिए। पुजारा ने हालांकि यह भी कहा कि बेशक टेस्ट क्रिकेट को खेल का सर्वोच्च प्रारूप माना जाता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि सफेद गेंद के विशेषज्ञ खिलाड़ियों में क्षमता नही होती। उन्होंने सुझाव दिया कि वैभव सूर्यवंशी और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों का उपयोग उनकी क्षमताओं के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

सात्विकसाईराज सहित कई बैडमिंन खिलाड़ी पहचान नहीं मिलने से है निराश

नई दिल्ली। भारत में अभी तक क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों के स्टार खिलाड़ियों को पहचान नहीं मिली है। यह आवाज शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भी उठाई है। इन खिलाड़ियों का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट जीतने के बाद भी उन्हें वह सम्मान नहीं मिल रहा जो मिलना चाहिये था। थामस कप विजेता युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी और अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय का कहना है कि बड़े टूर्नामेंट जीतने के बाद भी उन्हें कोई पहचानता तक नहीं है। जिससे उनको निराशा का अनुभव होता है। इन खिलाड़ियों के अनुसार जब वह थामस कप जीतने जीतकर वापस आये तो भी किसी ने उनपर ध्यान नहीं दिया। सात्विकसाईराज ने कहा कि जर्मनी से वापसी लौटी टीम के लिए हैदराबाद सवाई अड्डे पर कोई नहीं था। यहां तक कि किसी ने भी उन्हें पहचाना नहीं और न ही जीत के बारे में पूछा। सभी का व्यवहार अजनबी जैसा था। जब वह उतरे तो सभी अपने-अपने काम करते रहे। इससे उन्हें उपेक्षा का अनुभव हुआ। इससे अंदाजा होता है कि कि राष्ट्रीय स्तर की खेल उपलब्धियों को भी लोग नहीं जानते। एक अन्य खिलाड़ी चिराग शेट्टी भी इससे सहमत दिखे।

कप्तानी के साथ-साथ टीम से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा सूर्यकुमार यादव पर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम में टी20 प्रारूप को लेकर जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। खबरों के अनुसार आईपीएल 2026 के बाद सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। लगातार खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन के चलते चयनकर्ता पूरी तरह संतुष्ट नहीं बताए जा रहे हैं। ऐसे में अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की चयन समिति नए कप्तान के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रेयस अय्यर की टी20 टीम में वापसी लगभग तय मानी जा रही है और उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंपी जा सकती है। बताया जा रहा है कि आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से पहले इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। इन चर्चाओं के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर सूर्यकुमार यादव कप्तानी गंवाते हैं, तो क्या उनकी टीम में जगह भी खतरे में पड़ सकती है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह संभावना काफी मजबूत नजर आ रही है। सूर्यकुमार यादव ने कप्तान के तौर पर भारत को 2026 टी20 विश्व कप का खिताब जरूर दिलाया, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। अमेरिका के खिलाफ खेली गई नाबाद 84 रन की पारी को छोड़ दें तो बाकी मुकाबलों में वह लगातार संघर्ष करते दिखाई दिए।

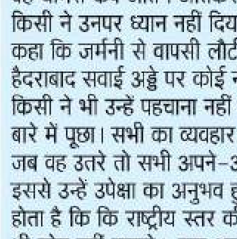

कुलदीप यादव के बचाव में उतरे डेविड मिलर, मैच विजेता खिलाड़ी बताया

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर ने आईपीएल के इस सत्र में खराब फर्म के कारण आलोचनाओं के निशाने पर आये स्पिनर कुलदीप यादव का बचाव किया है। मिलर ने कहा कि कुलदीप एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं और टीम उनके रहने से बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होती है। मिलर के अनुसार सभी जानते हैं कि कुलदीप में कितनी क्षमता है, इसलिए किसी को भी उनपर सवाल नहीं उठाना चाहिये। साथ ही कहा कि कि हर खिलाड़ी के जीवन में खराब दौर आता है पर इसका ये मतलब नहीं है कि हम उसपर या उसकी प्रतिभा पर सवाल उठाने लगें।

हालांकि यह सच है कि इस सीजन में कुलदीप अधिक विकेट नहीं ले पाये हैं। इस गेंदबाज ने इस 10.4 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए केवल 7 विकेट ही लिए है। सात में से पांच मैचों में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। इसके बाद भी कुलदीप का भरोसा उनपर बरकरार है। । उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कुलदीप हमेशा अपनी तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ते और हर मैच में अपना सौ फीसदी प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। मिलर के अनुसार, ऐसे खिलाड़ी किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं।

मिलर ने खुद स्वीकार किया कि वह पहले कुलदीप के खिलाफ खेल चुके हैं और उन्हें अच्छी तरह पता है कि जब कुलदीप अपनी लय में होते हैं तो उन्हें खेलना कितना कठिन होता है। उनका मानना है कि ऐसा गेंदबाज जब फार्म में होता है, तो वह किसी भी समय मैच का रुख बदलने की क्षमता रखता है और विपक्षी बल्लेबाजों के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। टीम के भीतर के माहौल पर बात करते हुए मिलर ने जोर दिया कि प्रत्येक खिलाड़ी को अपने प्रदर्शन के अच्छे और बुरे दोनों पहलुओं को स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर मैच में किसी से भी असाधारण प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की जा सकत है। हालांकि, मिलर ने यह भी माना कि इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक मजबूत नहीं रही है और टीम ने कई आसान अवसर खोय जिसका नुकसान उसे हुआ है पर कहा कि टीम इस पहलू पर कड़ी मेहनत कर रही है और आने वाले मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेगी।

आने वाले मैचों की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए मिलर ने कहा कि टीम के सामने बाकी बचे हर मुकाबले बहुत महत्त्वपूर्ण हैं और सभी खिलाड़ियों को हर मैच में पूरी तैयारी और एकाग्रता के साथ मैदान पर उतरना होगा।

27 जुलाई से दिल्ली में होगी राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

नई दिल्ली। 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में 27 जुलाई से 2 अगस्त तक होगी। इस दौरान रोमांचक मुकाबले होने की संभावना है। इस चैम्पियनशिप का आयोजन दिल्ली सरकार और भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इसमें 35 से अधिक देशों के शीर्ष एथलीटों के भाग लेने की उम्मीद है, जो इस आयोजन को वैश्विक मंच पर एक महत्त्वपूर्ण पहचान दिलाएगा। इस चैंपियनशिप न केवल खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी बल्कि दिल्ली को एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल गंतव्य के रूप में भी स्थापित करेगी। सात दिवसीय इस चैम्पियनशिप में दुनिया भर के टेबल टेनिस खिलाडी भी भाग लेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, स्काटलैंड, वेल्स, नाइजीरिया, केन्या, जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे राष्ट्रों के खिलाड़ी अपनी खेल भावना और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। यह विविध भागीदारी टूर्नामेंट को और भी रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी, जिससे दर्शकों को उच्च-स्तरीय खेल का अनुभव मिलेगा। इस बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयारियां जारी हैं। भारत के लिए, यह चैंपियनशिप टेबल टेनिस के प्रति बढ़ती लोकप्रियता और युवा खिलाड़ियों में इसके प्रति उत्साह को और बढ़ावा देगी। स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी इस आयोजन से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिसमें होटल, परिवहन और अन्य संबंधित सेवाओं में वृद्धि देखी जाएगी।दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी में अपनी दक्षता बार-बार साबित की है, और 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाएगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

लियोनेल मेसी बोले- अर्जेंटीना खिताब बचाने का दावेदार, लेकिन फ्रांस और स्पेन ज्यादा मजबूत

नई दिल्ली

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी ने कहा है कि उनकी टीम लगातार दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सपना जरूर देख सकती है, लेकिन मौजूदा समय में फ्रांस और स्पेन जैसी टीमें बेहतर फार्म में हैं।

यूट्यूब पर होस्ट पोलो अल्वारेज़ को दिए इंटरव्यू में मेसी ने कहा, हमारी टीम में कई खिलाड़ी चोट या मैच फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन जब पूरा ग्रुप साथ आता है तो उसने हमेशा साबित किया है कि वह मुकाबला करना और जीतना जानता है। हालांकि मेसी ने माना कि आगामी विश्व कप में प्रतिस्पर्धा बेहद कठिन रहने वाली है। उन्होंने कहा, फ्रांस इस समय शानदार फार्म में है। उनके पास विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की भरमार है। गौरतलब है कि अर्जेंटीना ने कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीता था।

मेसी ने स्पेन और ब्राजील को भी मजबूत दावेदार बताया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पुर्तगाल बेहद प्रतिस्पर्धी टीम है, जबकि जर्मनी और इंग्लैंड जैसी यूरोपीय टीमें हमेशा खतरनाक साबित होती हैं।

इंटर मियामी के लिए खेलने वाले मेसी जून में 39 साल के हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने अब तक यह आधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं किया है कि वह वर्ल्ड कप 2026 खेलेंगे या नहीं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में आयोजित होगा।

मेसी ने कहा कि उन्होंने अपने करियर को लेकर कोई समय सीमा तय नहीं की है।

उन्होंने कहा, मुझे फुटबाल खेलना पसंद है और मैं तब तक खेलूंगा जब तक खेल सकता हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं बहुत प्रतिस्पर्धी हूं। मुझे हर चीज में जीतना पसंद है। मैं तो अपने बेटे को वीडियो गेम में भी आसानी से नहीं जीतने देता।

टेबल टेनिस चैंपियनशिप

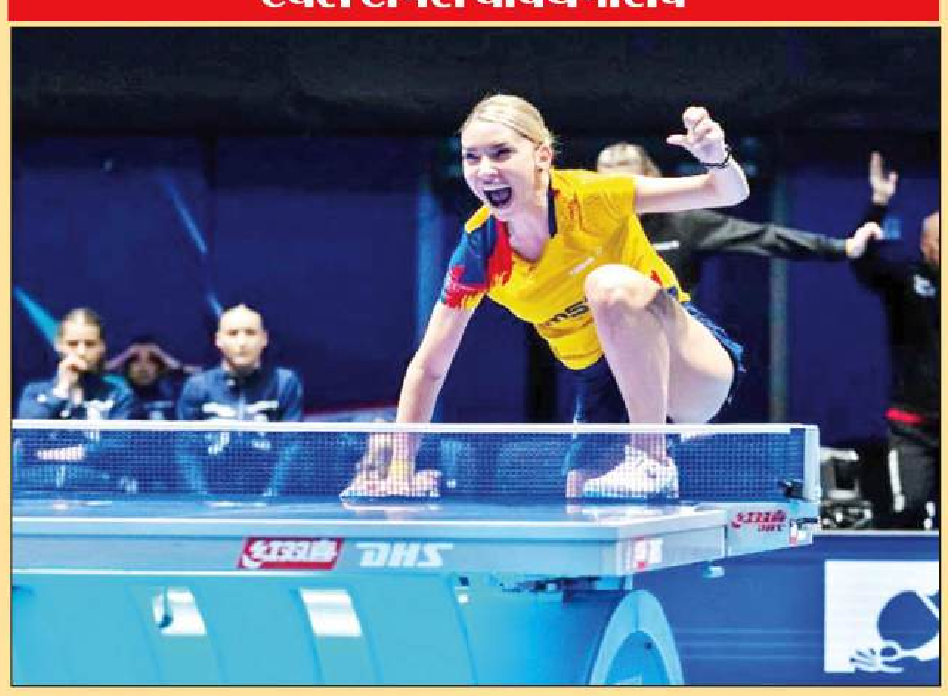

लंदन में आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप फाइनल के दौरान, रोमानिया और फ्रांस के बीच महिलाओं की टीम के क्वार्टर फाइनल मैच में, फ्रांस की युआन जिया नान के खिलाफ सिंगल्स मैच में जीत का जश्न मनाती रोमानिया की बर्नाडेट स्जोक्स।

देश में पहली बार होने जा रही महिला रग्बी प्रीमियर लीग

16 से 28 जून तक हैदराबाद में खेला जाएगा टूर्नामेंट

हैदराबाद

देश में पहली बार रग्गी महिला प्रीमियर लीग (आरपीएल) मुकाबलों का आयोजन होने जा रहा है। ये लीग मुकाबले अगले माह जून में होगे। ये घोषणा आयोजकों ने की है। उनका कहना है कि इस लीग के आयोजन से देश में महिला रग्बी खिलाड़ियों को प्रौत्साहन मिलेगा।

हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में ये टूर्नामेंट 16 से 28 जून तक खेला जागा। इसमें चार फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए टकरायेंगी। इनमें चेन्नई बुल्स , दिल्ली रेड्ज , मुंबई ड्रीमर्स और कोलकाता बंगा टाइगर्स शामिल हैं। इन लीग को प्रतिष्ठित कार्पोरेट घरानों के समर्थन से भी लाभ होगा।

इस लीग का आयोजन जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया मिलकर कर रहे है। ये दोनो ही देश में रग्बी के विकास और प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का चयन एक रोमांचक प्रक्रिया के माध्यम से होगा। चार महिला टीमों और छह पुरुष टीमों (जिनमें मेजबान हैदराबाद हीरोज और बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स जैसे नाम शामिल हैं) के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट और नीलामी 30 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। इस लीग से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा।

पिछले साल मुंबई में रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सफल सत्र का आयोजन किया गया था, और अब महिला टूर्नामेंट की शुरुआत से लीग का दायरा और महत्व काफी बढ़ गया है। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने इस ऐतिहासिक पहल पर अपनी खुशी और उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, रग्बी इंडिया में हमारा हमेशा से यह सपना रहा है कि आरपीएल का महिला टूर्नामेंट भी हो। इस साल हमारा वह सपना पूरा हो रहा है और हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह महिला एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का एक अद्भुत मंच प्रदान करेगा, साथ ही देश में रग्बी के प्रति जुनून को और बढ़ाएगा।

चेपाक में धोनी की विदाई की अटकलों ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

क्या 18 मई को खत्म होगा माही युग

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का सीजन अपने अंतिम दौर में पहुंच रहा है, लेकिन इस बार क्रिकेट प्रेमियों की नजर सिर्फ मुकाबलों पर नहीं, बल्कि महेंद्र सिंह धोनी पर टिकी हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स का 18 मई को चेपाक स्टेडियम में होने वाला आखिरी लीग मुकाबला अब एक साधारण मैच नहीं रह गया है। फैंस के बीच लगातार यह चर्चा तेज हो रही है कि क्या यह पीली जर्सी में धोनी का आखिरी मुकाबला होगा। चेन्नई का चेपाक स्टेडियम हमेशा से महेंद्र सिंह धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स की पहचान रहा है। यहां की पीली दीवारें, धोनी-धोनी के नारों से गूंजते स्टैंड और आखिरी ओवरों में माही का शांत अंदाज क्रिकेट इतिहास का अहम हिस्सा बन चुका है।

अब जब टीम अपने घरेलू मैदान पर सीजन का अंतिम मुकाबला खेलने जा रही है, तो हर किसी के मन में एक ही सवाल उठ रहा है कि क्या धोनी यहीं अपने आईपीएल करियर को अलविदा कहेंगे। दरअसल, साल 2021 में धोनी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह अपना आखिरी मुकाबला चेन्नई में खेलना चाहते हैं। तभी से हर सीजन में उनके संन्यास को लेकर अटकलें लगती रही हैं। हालांकि, धोनी हमेशा की तरह इस मुद्दे पर शांत और रहस्यमयी बने रहे। लेकिन इस बार चर्चाओं को इसलिए भी बल मिला है क्योंकि आईपीएल 2026 में उन्होंने अब तक एक भी मैच नहीं खेला है। माना जा रहा है कि वह खुद को किसी खास मौके के लिए तैयार कर रहे हैं। चेपाक मैदान धोनी के करियर का सबसे यादगार अध्याय माना जाता है। इसी मैदान पर उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स को कई ऐतिहासिक जीत दिलाईं और कई बार टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। फैंस के लिए धोनी सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक भावना बन चुके हैं। यही वजह है कि 18 मई का मुकाबला भावनात्मक रूप से बेहद खास माना जा रहा है। धोनी का करियर हमेशा अप्रत्याशित फैसलों से भरा रहा है। साल 2014 में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास और 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को शांत अंदाज में अलविदा कहना इसका बड़ा उदाहरण है। इसलिए यह भी संभव माना जा रहा है कि वह बिना किसी औपचारिक घोषणा के अचानक विदाई ले लें। अगर 18 मई को धोनी चेपाक में मैदान पर उतरते हैं, तो वह पल करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए बेहद भावुक हो सकता है। हर चौका, हर छक्का और हर स्टंपिंग को फैंस शायद आखिरी बार महसूस करें। फिलहाल आधिकारिक तौर पर कुछ भी तय नहीं है, लेकिन इतना जरूर है कि इस मुकाबले ने क्रिकेट जगत में भावनाओं का तूफान ला दिया है।

टैटू बनवाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

आजकल टैटू बनवाने का काफी ट्रैंड है और लगभग हर किसी को टैटू बनवाना पसंद है। लेकिन टैटू बनवाने के बाद उसकी देखभाल का भी काफी ध्यान रखना पड़ता है क्योंकि कई बार टैटू बनवाने के बाद बहुत तरह की इन्फेक्शन का सामना भी करना पड़ सकता है। कई लोगों को उस जगह पर लाल रंग के चकत्ते पड़ जाते हैं। जरूरी नहीं कि आपकी त्वचा ही नाजुक हो या आपको रंग से एलर्जी हो, कई बार लापरवाही की वजह से भी ऐसा हो जाता है। ऐसे में इन्फेक्शन से बचने के लिए आपको कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए।

साबुन का इस्तेमाल

टैटू गुदवाने के बाद आम साबुन के इस्तेमाल से बचें क्योंकि टैटू एक प्रकार का खुला घाव होता है ऐसे में उस पर हर प्रकार के साबुन का इस्तेमाल करना हानिकारक हो सकता है। ऐसे साबुन का इस्तेमाल करें जो बैक्टीरिया से बचाव कर सके।

कसकर पोंछे नहीं

नहाने के बाद टैटू वाली स्कीन को कसकर न पोंछे। इससे जलन या खुजली हो सकती है। खुरदुरी तौलिया भी ऐसे में नुकसानदायक होती है।

त्वचा को गीला न रखें

नहाने के बाद टैटू का विशेष ध्यान रखें। किसी मुलायम कपड़े से साफ करें, गीला न रहने दें।

लोशन

टैटू गुदवाने के बाद मनचाहा लोशन इस्तेमाल न करें। सही और एंटीबायोटिक प्रकार का लोशन या क्रीम ही इस्तेमाल करें।

धूप से बचाएं

टैटू को सीधे सूरज की रोशनी पड़ने से बचाएं। इससे टैटू वाली त्वचा पर इन्फेक्शन हो सकती है क्योंकि अल्ट्रावायलेट किरणों का प्रभाव पड़ता है। ये किरणें, हीलिंग प्रक्रिया के लिए सही नहीं होती है।

इन्फेक्शन

अगर टैटू वाली त्वचा पर खुजली होती है, तो खुजली करें नहीं, बल्कि क्रीम लगा लें। या बेबी ऑयल लगाएं, ये सबसे सही रहता है। ज्यादा समस्या होने पर डॉक्टर को दिखाएं।

पानी से दूर रखें

पूल या सोना बॉथ से दूर रहें। पानी में ज्यादा समय तक टैटू वाली त्वचा को भिगोकर न रखें। गुनगुने पानी से नहाना ज्यादा सही रहता है।

मां को बताइए आप करते हैं उनसे कितना प्यार

मदर्स डे पर दीजिए उन्हें ये उपहार...

जीवन के पहले दिन से मां हमारे लिए कितने रोल निभाती है। वह जन्मदाता और पैरंट के तौर पर हमारी हर जरूरत का ध्यान रखती है। सबसे अच्छी दोस्त बनकर हमारे सुख बढ़ाती है और दुख बांट लेती है। हमारे लिए कभी टीचर बन जाती है और कभी शेफ!

इस मदर्स डे मां को उनके इन बहुतेरे अवतारों के लिए थोड़ा सा धन्यवाद करिए। पेश है कुछ गिफ्ट आइडिया जिससे आप अपनी मां, ममी या मॉम को कह सकते हैं थैंक्यू और उन्हें दिखा सकते हैं आप उनसे कितना प्यार करते हैं....

उनकी फेवरिट जगह पर उन्हें खाने ले चलें

मां के खाने जैसा तो कुछ भी नहीं होता, लेकिन मां का भी तो फेवरिट रेस्त्रां होता है न... तो इस मदर्स डे मां के पसंदीदा रेस्त्रां में उन्हें लंच या डिनर के लिए ले जाएं। घर के कामों से उन्हें छुट्टी दिलाइए और कुछ वक्त उनके साथ बिताइए। उनका पसंदीदा खाना ऑर्डर करिए और इस मौके को खास बनाइए।

मां के लिए स्पा-मसाज बुक करिए

मां कितनी जिम्मेदारियां संभालती है, ऐसे में उन्हें आराम और अपनी देखभाल के लिए वक्त कहां मिल पाता है। इसलिए मदर्स डे पर उनके लिए स्पा में एक सेशन बुक करिए जहां उन्हें थोड़ा आराम भी मिले और उनकी देखभाल भी हो।

उनके फेवरिट शॉपिंग कूपन

मां के लिए प्यार जताना सिर्फ एक दिन क्यों सीमित हो, इसलिए इस मदर्स डे उनके लिए कुछ ऐसा लाइए जिसका इस्तेमाल वे आगे भी कर सकें। अपनी मां के पसंदीदा शॉपिंग, पार्लर, मसाज या फूड के कूपन उन्हें दीजिए। इस तरह वह जब भी इनका इस्तेमाल करेंगी, आपका प्यार उन्हें याद आता रहेगा।

परिवार के साथ कहीं बाहर जाइए

मां से ही तो परिवार बनता है और इसलिए इस मदर्स डे सारे परिवार को साथ लाइए और कहीं छुट्टी मनाने निकल पड़िए। अगर मां के फेवरिट हॉलीडे डेस्टिनेशन पर जा सकें तो और भी बढ़िया। सबके साथ मां को मजा भी आएगा और ढेर सारी यादें भी इकट्ठा हो जाएंगी।

हेल्थ चेकअप

याद है जब बचपन में आप थोड़ा भी बीमार होते थे तो डॉक्टर और नर्स सब बन जाती थी आपकी मां। मां आपकी सेहत के लिए अपनी सेहत की परवाह नहीं करती। इस मदर्स डे आप अपनी मां को एक हेल्थ चेकअप के लिए ले जाएं, ताकि आगे भी वह आपके लिए ऐसी ही प्यार बरसती रहें।

वजन कम करना है तो उबाल कर खाएं ये सब्जियां

मौसमी सब्जियां न सिर्फ सेहत को ठीक रखती हैं बल्कि ये कई बीमारियों को भी दूर करती हैं। मोटापा जो आजकल हर किसी की परेशानी का प्रमुख कारण बना हुआ है, उसका उपचार भी सब्जियों से किया जा सकता है। कुछ सब्जियों का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए उन्हें उबाल कर खाना चाहिए तो कुछ को धीमी आंच पर पका कर खाना सेहतमंद होता है। इससे उनमें मौजूद पोषण को दोगुना किया जा सकता है। पालक, गाजर, शकरकंद, ब्रोकली और पत्तागोभी आदि का स्वाद और पोषण उबाल कर खाने से बढ़ जाता है। हफ्ते में दो बार इन उबली सब्जियों का सलाद खाने से मोटापा भी बहुत जल्दी घटेगा।

- कटी हुई गाजर को एक चुटकी नमक और थोड़ी सी काली मिर्च के साथ सादे पानी में डाल कर उबाल लें। यह आपकी आंखों के लिए काफी पौष्टिक होगी।
- खून की कमी और पीरियड्स की समस्या को दूर रखने के लिए दिन में एक चुकन्दर उबाल कर खाएं। ध्यान रखें कि चुकन्दर को 3 मिनट से ज्यादा न उबालें।
- आलू को हमेशा उबाल कर ही खाएं क्योंकि इससे कैलोरीज कम हो जाती है।
- बींस को 6 मिनट तक एक चुटकी नमक और थोड़ी सी काली मिर्च के साथ सादे पानी में उबाल लें। ये बींस डायबिटीज के लिए अच्छी होती है।
- हरी पत्तेदार सब्जियों को उबाल कर खाया जाएं तो उसकी ताकत दोगुनी बढ़ जाती है। खास तौर पर मेथी और पालक की सब्जियां।
- स्वीट कार्न को उबालने में काफी पानी और समय लगता है लेकिन इसे बिना उबाले भी खाया नहीं जा सकता। स्वीट कार्न में पोषण और ढेर सारे रेशे होते हैं जिससे कब्ज की समस्या नहीं होती।
- शकरकंद में काफी सारा कार्बोहाइड्रेट्स होता है जो कि शरीर के लिए बेहद जरूरी है।

अगर आप डाइटिंग पर हैं तो शकरकंद खाएं।

- भाप में पकी हुई फूलगोभी काफी पौष्टिक मानी जाती है। ऐसा करने पर इसमें मौजूदा न्यूट्रियन्ट्स और विटामिन्स नष्ट नहीं हो पाते।
- पत्ता गोभी जब उबाल कर खाई जाती है तो उसका टेस्ट और भी ज्यादा बढ़ जाता है। उबालने के लिए जिस पानी का उपयोग किया गया हो, उसे खाना पकाने में प्रयोग कर लेना चाहिए क्योंकि इसमें सबसे ज्यादा पोषण होता है।
- ब्रोकली उबाल कर खाने में ज्यादा टेस्टी लगती है। अगर आपको यह डिश सादी ही खानी हो तो उबालते समय इसमें थोड़ा सा ऑलिव ऑयल मिला लें।

बार-बार गर्भपात से महिलाओं को होते हैं ये नुकसान

अनचाहे गर्भ को गिराने के लिए जोड़े अक्सर गर्भपात का सहारा लेते हैं लेकिन बहुत से लोगों को मालूम नहीं है कि लगातार गर्भपात कराना जीवन के लिए खतरनाक है। लगातार गर्भपात करवाने से भविष्य में होने वाली प्रेग्नेंसी कष्टदायक हो सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो महिलाएं ज्यादा गर्भपात कराती हैं। उनमें अवधि पूर्व जन्म या शिशु का वजन बहुत कम होना आदि परेशानियां पैदा होती हैं, जिन महिलाओं ने 3 या इससे अधिक बार गर्भपात कराया है। उनकी गर्भाशय ग्रीवा के लिए खतरा है। इसके अलावा इससे कुछ समय बाद अपने आप गर्भपात भी हो सकता है।

बहुत से लोगों को आजकल बांझपन, अस्थानिक गर्भावस्था या बच्चे के जन्म की परेशानी आदि समस्याएं उठानी पड़ती हैं। बांझपन से तात्पर्य है कि 12 माह की कोशिशों के बावजूद भी बच्चा नहीं लगना। सामान्य रूप से महिलाओं में बांझपन होने के कई कारण हैं लेकिन बहुत से डॉक्टर्स ऑपरेशन से गर्भपात कराने को इसका प्रमुख कारण मानते हैं।

गर्भपात करवाने के शरीर को नुकसान

बच्चा गिरना: गर्भपात कराने से भी कई बार गर्भाशय ग्रीवा क्षतिग्रस्त हो जाती है तो आगे गर्भपात में परेशानी हो सकती है। यदि गर्भपात के दौरान बच्चेदानी क्षतिग्रस्त हो जाती है तो यह बच्चे के लिए भी खतरनाक होती है।

समय पूर्व प्रसव: ज्यादा बार गर्भपात कराने का यह एक मुख्य कारण यह है कि इससे समय पूर्व प्रसव के अवसर बढ़ जाते हैं और गर्भ नाल इससे गलत रूप से बढ़ जाती है।

अस्थानिक गर्भावस्था: बार-बार गर्भपात कराने से अस्थानिक गर्भधारण का खतरा पैदा होता है। अस्थानिक गर्भावस्था ना केवल जीवन के खतरनाक है बल्कि इससे प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है।

पेडू के सूजन की बीमारी: पेडू के सूजन की बीमारी भी बार-बार गर्भपात से होती है। पीआईडी एक खतरनाक बीमारी है जो कि बांझपन का कारण भी बन सकती है। यह फैलोपियन ट्यूब के ऊतकों पर घाव पैदा कर सकती है, जिससे आगे चलकर प्रजनन क्षमता में कमी होती है। कभी कभी पीआईडी गर्भपात या अबॉरशन के बाद भी हो सकती है।

एन्डोमिट्राइटिस: ज्यादा गर्भपात कराने से यह होता है। अबॉरशन के बाद यह समस्या होती है। 20 से 29 वर्ष की महिलाएं खास तौर पर इसका शिकार ज्यादा होती हैं।

गर्भाशय में छेद होना: गर्भपात कराने वाली 2 से 3 प्रतिशत मरीजों में यह परेशानी होती है जो महिलाएं पहले बच्चे को जन्म दे चुकी हैं। उनमें यह ज्यादा होता है। इस समस्या से ग्रसित मरीजों में कई बार गर्भपात के दौरान सामान्य एनेस्थेसिया भी देना पड़ता है।

संक्रमण: बार-बार गर्भपात कराने से महिलाओं में स्वास्थ्य से संबन्धित समस्याएं पैदा होती हैं जैसे कि ज्यादा रक्तस्राव, संक्रमण, ऐंठन, एनेस्थेसिया से संबन्धित जटिलताएं, एम्बोलिम, गर्भाशय में सूजन, एंडोटोक्सिक शॉक, गर्भाशय ग्रीवा का चोटिल होना, रक्तस्राव आदि।

बच्चों की कैलोरी खपत पर रखें नजर

अधिकांश बच्चे थाली में स्वादिष्ट भोजन देखकर उस पर टूट पड़ते हैं, जबकि कैलोरी से भरपूर वह भोजन बच्चों के लिए हानिकारक होता है, लेकिन तीन से पांच साल के बच्चों में कैलोरी युक्त भोजन और उसके आकार में हस्तक्षेप कर कैलोरी खपत को घटाया जा सकता है। एक नए शोध में यह बात सामने आई है। शोधार्थियों का कहना है कि अभिभावक बच्चों के लिए कम कैलोरी वाला भोजन का चुनाव कर बच्चों में कैलोरी डेंसिटी (सीडी) की खपत को कम कर सकते हैं। अमेरिका की पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में इस अध्ययन की सह-लेखक बारबरा रोल्स ने बताया, ऐसे कई स्वीकार्य और सहज उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी सहायता से घर में ही कैलोरी पर नियंत्रण किया जा सकता है।कम कैलोरी युक्त भोजन के बड़े हिस्से या उच्च कैलोरी युक्त भोजन के छोटे हिस्सों में हुए परिवर्तनों से बच्चे भी आसानी से जुड़ सकते हैं। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने बच्चों को परोसे गए भोजन के हिस्सों और सीडी तथा प्रति हिस्से में ग्रहण होने वाली कैलोरी का अध्ययन किया था। रोल्स बताती हैं, रणनीतिक तौर पर भोजन के हिस्सों और सीडी पर नियंत्रण स्वीकार्यता को प्रभावित किए बिना भोजन की खपत को कम कर सकता है। यह शोध साइकोलॉजी एंड बिहेवियर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए आसान नुस्खे

अक्सर हम सभी जब जल्दीबाजी में गरम-गरम चाय या कॉफी पी लेते हैं तो हमारी जीभ जल जाती है। जीभ के जल जाने पर कुछ दिनों को तक हमें किसी भी चीज को खाने से उसका स्वाद नहीं आता। इसलिए हमें कभी भी किसी चीज को गरम-गरम नहीं खाना चाहिएं। आज हम आपको जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए कुछ आसान से घरेलू उपाय बताएगें।

बेकिंग सोडा

वैसे तो बेकिंग सोडा और बेकिग पाउडर दोनों ही खाने को फुलाने के लिए काम आते हैं। पर अगर आपकी जीभ गरम-गरम चीज पीने या फिर खाने से जल जाए तो तुरंत आराम पाने के लिए बेकिंग सोडा और पानी से कुल्ला कर लें।

जीभ जलने पर प्लेन फूड खाएं

अगर आपकी जीभ जल गई है तो मसालेदार खाना न खाएं। ऐसे में आप सलाद और उबला हुआ सादा भोजन ही खाएं।

आइस क्यूब

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए आप फ्रिज में रखी हुई ठंडी-ठंडी बर्फ का टुकड़ा लेकर मुंह में रख लें और धीरे-धीरे से चूसते रहें। साथ ही ध्यान में रखे कि क्यूब को मुंह में डालने से पहले गीला जरूर कर लें।

दही

ठंडा दही लेकर उसका एक चम्मच मुंह में रखने से जली हुई जीभ से तुरंत आराम मिल जाता है। अगर घर में दही नहीं है तो आप एक गिलास ठंडा दूध भी पी सकते हैं।

चीनी

अगर आपकी जीभ जल गई है तो जीभ पर एक चुटकी सफेद चीनी छिडकें और इसे जीभ पर घुलने दें। ऐसा करने से होने वाली दर्द से तुरंत आराम मिल जाएगा।

शहद

शहद के अनेक फायदे हैं। जीभ के जलने पर यह एक प्राकृतिक और आराम देने वाला पदार्थ है। इसे जीभ पर लगाने से दर्द कम हो जाता है।

विटामिन ई

वैसे तो हमारे शरीर के लिए सभी विटामिन्स का अपना-अपना महत्व है, लेकिन उनमें कुछ की खास भूमिका होती है। ऐसे विटामिन्स में एक प्रमुख है विटामिन ई। जीभ के जलने पर विटामिन ई तेल की कुछ बूंदे जीभ पर डालने से जल्द ही आराम मिल जाता है।

मुंह से सांस लें

अगर आपकी जीभ जल गई है तो मुंह से सांस लें। ऐसा करने से ठंडी हवा जीभ पर लगेगी जिसे आप को आराम मिलेगा।

चुइंग गम

जली हुई जीभ से तुरंत आराम पाने के लिए च्यूइंग गम चबाएं। यह मुंह में थूक बनाने का काम करती है और मुंह को गीला रखती है, जिसे होने वाली जलन से आराम मिलता है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा तोड़कर उसमें से मैल निकाल लें और इसे जली हुई जीभ पर लगाएं और इस आइस क्यूब भी लगाएं। ऐसा करने से आपको दर्द से जल्द ही आराम मिल जाएगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**